RNI:RJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2018-20
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2018

शिव आमंत्रण
आध्यात्म की नई उड़ान
सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण

होली की हार्दिक शुभ कामनाएं!

वर्ष ▸ 07 | अंक ▸ 03 | हिन्दी (मासिक) | मार्च ▸ 2020 | पृष्ठ ▸ 16 | मूल्य ▸ ₹ 9.50

दीक्षांत समारोह : देशभर में हर उम्र के लोगों में तेजी से बढ़ रहा मूल्य शिक्षा के लिए रुझान

एक दशक में 20 हजार युवाओं ने ली मूल्य शिक्षा

शिव आमंत्रण आबू रोड (राजस्थान)। आज देश में बहुत से ऐसे युवा भी हैं जो समाज में एक मुकाम हासिल करना चाहते हैं। भारत देश इस समय सबसे युवा देश है। यदि युवा मूल्यवान और संस्कारवान हो तो संस्कारित समाज की स्थापना भी संभव है। युवा ही नहीं सभी उम्र के लोगों में नैतिक मूल्यों का होना आवश्यक है। इसी लक्ष्य को लेकर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान 84 वर्ष से भारत सहित पूरे विश्व में कार्य कर रहा है। लेकिन युवाओं में शिक्षा के जरिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का शिक्षा प्रभाग वर्ष 2009 से देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, शिक्षण संस्थानों के साथ मूल्य शिक्षा और आध्यात्मिकता संबंधी पाठ्यक्रमों के लिए एमओयू कर युवाओं को प्रेरित कर रहा है। इसी क्रम में ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन में शिक्षा महोत्सव के तहत दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इसमें झारखंड की राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू विशेष रूप से उपस्थित थीं।

इन्होंने भी रखे विचार..

समारोह के दौरान यशवंतराव चौहान मुक्त विद्यापीठ के निदेशक जयदीप, ज्ञान सरोवर की निदेशिका डॉ. बीके निर्मला, शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष बीके मृत्युंजय, मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके करुणा और अन्नामलाई खुला विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. सेल्वनारायण ने अपने संबोधन में शिक्षा में मूल्य शिक्षा और आध्यात्मिकता को अनिवार्य रूप से शामिल करने का आह्वान किया। देश की संस्कृति और विरासत को बचाने के लिए मूल्य शिक्षा जरूरी है।

2009 से चल रहा है मूल्य शिक्षा पाठ्यक्रम

20 शिक्षा संस्थानों, विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू

20 हजार से ज्यादा लोगों ने ली मूल्यों की डिग्री

02 वेस्टइंडीज, नेपाल के विश्वविद्यालय भी शामिल

04 देशभर में विश्वविद्यालय

04 शिक्षण संस्थान

06 निजी विश्वविद्यालय

06 स्टेट विश्वविद्यालय

राज्यपाल मुर्मू ने दादी रतनमोहिनी से की मुलाकात

झारखंड की राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने ब्रह्माकुमारीज संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी से मुलाकात की और ईश्वरीय ज्ञान चर्चा के बाद आशीर्वाद लिया। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल अपने प्रवास स्थान से समारोह स्थल तक पैदल ही दीक्षांत के परिधान में पहुंचीं। इस दौरान रैली का भी आयोजन किया गया। समारोह में देशभर से पहुंचे विद्यार्थियों को डिग्री देकर सम्मानित किया गया।

खुद का जीवन बदल अब दूसरों का बदल रहे.....

मूल्य शिक्षा का ही नतीजा है कि आज हजारों ऐस विद्यार्थी हैं जिन्होंने इन कोर्स के माध्यम से खुद का जीवन बदल आज दूसरों के जीवन में रोशनी ला रहे हैं। कई विद्यार्थी निःशुल्क फैमिली काउंसिलिंग कर रहे हैं तो कई लोगों की मानसिक समस्याओं को हल करने में पूरी तन्मयता के साथ जुटे हैं।

यह मूल्य शिक्षा पाठ्यक्रम संचालित...

सर्टिफिकेट कोर्स
- लिविंग वैल्यूज
- राजयोग मेडिटेशन
- लाइफ स्टाइल फॉर होलिस्टिक हेल्थ
- स्प्रीचुअल काउंसिलिंग
- तनाव और क्रोध फ्री जीवन
- होलिस्टिक एजिंग

डिप्लोमा कोर्स
- डिप्लोमा इन वैल्यू एजुकेशन एंड स्प्रीचुअलिटी
- डिप्लोमा इन काउंसिलिंग एंड स्प्रीचुअल हेल्थ
- डिप्लोमा इन वैल्यू एंड स्प्रीचुअल एजुकेशन
- एडवांस डिप्लोमा इन वैल्यू एजुकेशन एंड स्प्रीचुअल एजुकेशन

अंडर ग्रेजुएट कोर्स
- बीएससी (मूल्य शिक्षा एवं आध्यात्मिकता)
- बीए (मूल्य एवं आध्यात्मिक शिक्षा)

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स
- पीजी डिप्लोमा इन वैल्यू एजुकेशन एंड स्प्रीचुअलिटी
- पीजी डिप्लोमा इन काउंसिलिंग एंड स्प्रीचुअल हेल्थ
- पीजी डिप्लोमा इन वैल्यूज इन हेल्थ केयर
- पीजी डिप्लोमा इन योगा एंड वैल्यू एजुकेशन

पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स
- एमएससी (वैल्यू एजुकेशन एंड स्प्रीचुअलिटी)
- एमएससी (काउंसिलिंग एंड स्प्रीचुअल हेल्थ)
- एमएससी (वैल्यूज इन हेल्थ केयर)
- एमबीए (योगा एंड वैल्यू एजुकेशन)

सब्जेक्टस
- वैल्यूज एवं एथिक्स

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने बदल दी लाखों लोगों की जिंदगी:राज्यपाल मुर्मू

ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन में शिक्षा महोत्सव के तहत दीक्षांत समारोह में झारखंड की राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने कहा, कि जिस समाज में जब तक मूल्य नहीं हैं वह सभ्य समाज नहीं बन सकता। मानव समाज का मूल्यों से पलायन घातक है। भारतीय शिक्षा का इतिहास भारत के संस्कृति और सभ्यता का भी इतिहास है। प्राचीन काल की शिक्षा से भारत विश्व गुरु के रूप में प्रतिस्थापित रहा है। एक ऐसा समय था जब हमारे देश में नालंदा जैसे शिक्षण संस्थान से पढ़ने वाले छात्र मूल्यों को भी तरजीह देते थे। आज लोगों के अंदर मूल्यों का समाप्त होना चिंताजनक है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान पिछले 84 वर्षों से समाज में नैतिकता के लिए कार्य कर रही है। इसका रिजल्ट दिख भी रहा है कि आज करीब 20 लाख से ज्यादा लोगों ने अपनी जिंदगी पूरी तरह बदल दी है।

समाज में क्रांतिकारी बदलाव के लिए युवाओं को मूल्यों से जोड़ना बहुत जरूरी है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था का शिक्षा प्रभाग इसी उददेश्य के साथ पिछले एक दशक से देश के कई शिक्षण संस्थान, विश्वविद्यालयों के साथ मूल्य शिक्षा एवं आध्यात्मिकता में डिग्री व डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित कर रही है।

बीके मृत्युंजय
अध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग, माउण्ट आबू

हमारा मकसद असली शिक्षा देना है। भौतिक शिक्षा तो युवाओं को मिल ही रही है। लेकिन मनुष्य जीवन में गुणों और मानवीय मूल्यों को कैसे धारण करे। इसके लिए यह पाठयक्रम चलाया गया है। युवाओं का रूझान यह दर्शाता है कि आज भी लोग मूल्यों के लिए प्रयासरत हैं।

बीके डॉ. पांड्यामणि,
निदेशक, दूरस्थ मूल्य शिक्षा, शिक्षा प्रभाग, माउंट आबू

मैंने इस वर्ष काउंसिलिंग और स्प्रीचुअल हेल्थ के दो वर्षीय वैल्यू एजुकेशन एमएससी प्रोग्राम में एडमिशन लिया है। मैंने मेडिटेशन और ईश्वरीय ज्ञान से खुद में सकारात्मक बदलाव महसूस किया। मुझे लगा कि इससे मेरी मानवीय व्यवहार की समझ बढ़ेगी और लोगों की परेशानियां को समझने व जागरूक करने में मदद मिलेगी।

- राजेश असनानी, वरिष्ठ पत्रकार, जयपुर

मैंने पीजी डिप्लोमा इन वैल्यू एजुकेशन एंड स्प्रीचुअलिटी का कोर्स अन्नामलाई यूनिवर्सिटी से पूर्ण किया है। जीवन में सही मूल्यों को धारण कर चलने की पद्धति को जानने के उद्देश्य से इस कोर्स को करने का निर्णय लिया था। इससे मेरे जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन अनुभव कर रहा हूं।

-देवाशीष दास, सहकारिता निरीक्षक, दुर्ग,छत्तीसगढ़

कहा जाता है जीना उसका नाम है जो औरों के लिए जीता हो। ऐसी ही भावनाओं के साथ मैंने वैल्यू एजुकेशन इन एमएससी की शुरुआत की। आज लोग लॉजिक के साथ ज्ञान सुनना पसंद करते हैं। यह लॉजिक इस वैल्यू एजुकेशन से मुझे क्लीयर हो रहा है। मैं बहुत सशक्त बन रही हूं।

बीके रिंकू, एमएससी इन स्प्रीचुअलिटी, शांति सरोवर रायपुर, छत्तीसगढ़

प्रेरणापुंज

दादी जानकी
मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

मनोबल बढ़ाने के लिए
बाहरी चिंतन से फ्री रहें, स्व चिंतन ही उन्नति का आधार

शिव आमंत्रण आबू रोड। दुख महसूस तब होता है जब दिल छोटी है, ज्ञान की धारण कम है, दुःखहर्त्ता बाबा से योग नहीं है। सुख पायें बाबा से पायें-लेन -देन करें। हमारे से कोई लेन-देन न करें। हमको कुछ भी नहीं चाहिए। हमको बाबा ने इतना दिया है वह सबको मिले तो जो बाबा कहते हैं- बाबा दाता है। जो करता है अपने लिए करता है तो सफलता मूर्त बनकर रहें। तो पहले श्वांस-संकल्प-समय सब सफल हो। हमारे पास धन तो नहीं है लेकिन मन से तन भी सफल है और उसमें भी खास हमारे पास ज्ञान, गुण, शक्तियों का बहुत बड़ा धन है। वह सम्पत्ति इतनी बड़ी मिली है उसे सफल करें और सफलतामूर्त रहें।

अभी तक ब्रह्माकुमारों का संगठन तो प्रत्यक्ष हुआ है लेकिन इतने सब कुमार भी बाबा के बच्चे- ब्रह्माकुमार हैं, यह एक हमारी शान है। बाबा कहते खुशी जैसी खुराक नहीं, यह सारी जीवन खुशी-खुशी से सफल किया है, पास नहीं किया है लेकिन खुशी से सफल किया है। भाग्य और भगवान के बच्चे का जो अपनी जीवन नैय्या बाबा के हवाले करने से, हमारा पालनहार बाबा ने हमको क्या से क्या बनाया है। दुनिया को देखो फिर अपने को देखो तो बाबा ने कितना हमारी जीवन को परिवर्तन करके, कमजोरियों से छुड़ा करके पाण्डव और शक्ति सेना बनाया है। हम सब कौन हैं? - पाण्डव और शक्ति सेना। हमारे में इतनी शक्ति कहां से आयी?

सतयुग में हम सर्वशक्तिमान नहीं होंगे शक्तिवान होंगे, अभी मास्टर सर्वशक्तिमान बनते हैं। वहीं माया को जीतने के लिए शक्ति की आवश्यकता नहीं है। कमजोरी है ही नहीं। अपना राज्य भाग्य है। यहां माया को जीत माया पर राज्य करने की शक्ति मिली है। अभी संगम पर सर्वशक्तिमान बाप से जो शक्ति पाईं उससे हम मायाजीत बनते हैं, फिर यह प्रकृति भी सतोप्रधान बन जाती है। योगबल की कितनी कमाल है। दुनिया वाले समझते हैं बुद्धि के बल के बिगर कुछ भी नहीं हो सकता है इसलिए बुद्धि बड़ी बलवान चाहिए और हम क्या कहते हैं? बुद्धिवान तो संसार तो बहुत हैं सारे संसार का खेल बुद्धि द्वारा चल रहा है। लड़ाई भी बुद्धियों द्वारा हो रही है। साइन्स की तरक्की भी बुद्धि द्वारा हुई है और हमारे पास है बुद्धि योग, एक सर्वशक्तिमान बाबा से योग है। योग से बल जमा होता आ रहा है।

इस बार मुरलीयों में बाबा ने विशेष इशारा दिया है कि मनोबल को बढ़ाओ। आप सब भी विचार करो मन बलवान है तो बुद्धि बड़ी शुद्ध शान्त है, मन कमजोर है तो समझते हुए भी जानते हुए भी कुछ कर नहीं सकते हैं। बुद्धि विचलित हो जाती है, भटक जाती है। चलायमान, डोलायमान हो जाती है क्योंकि मन बलवान नहीं है। जो ऋषि-मुनी, तपस्वी भी मन को वश न कर सके, बाबा ने सेकण्ड में मन को शान्त करने की ऐसी विधि सिखाई है। तो ब्राह्मण लाईफ में अगर चारों सबजेक्ट में पास होना हो तो मनोबल को बढ़ाओ। ज्ञान का भी प्रेक्टिकल रूप है-मन हमारे वश में हो। यानि संकल्प हमारे शान्त और शुद्ध हो। तो बल पैदा होता है, जमा हो जाता है। जब चाहे सेकण्ड में एकाग्र हो सकते हैं। बुद्धि स्थिर कर सकते हैं।

पंजाब के ट्रांसपोर्ट व्यापारी परमिंदर ने सांझा किए अपने जीवन के कड़वे अनुभव...

राजयोग ने जीवन बदल दिया, नशा छूटा और मानसिक समस्याएं भी खत्म हुईं, खुद को भाग्यशाली समझता हूं

शिव आमंत्रण आबू रोड। वर्तमान समय में जीवन में अनेक उतार चढ़ाव आते हैं। कभी-कभी परिस्थितियां भी ऐसी आ जाती है कि व्यक्ति मानसिक रूप से दबाव और तनाव में आ जाता है। जिसके कारण वह डिप्रेशन अर्थात विषादग्रस्त हो जाता है। यदि जीवनशैली में दुर्व्यशन भी शामिल हो तो व्यक्ति अनेक बीमारियों का शिकार हो जाता है। शारीरिक बीमारियों का ईलाज तो डॉक्टर कर सकते हैं। परंतु मानसिक कमजोरी और नकारात्मक विचारों का उचित उपचार कहीं नहीं मिल पाता है। ऐसी स्थिति में जीवन मूल्यों से भरपूर राजयोग की शिक्षा और मेडिटेशन हमारी जिंदगी में चमत्कार जैसा असर पैदा कर देता है। हम अपने मनोबल को बढ़ाकर, आंतरिक शक्तियों को पहचान कर तथा उन्हें अमल में लाकर अपने जीवन में एक नई उर्जा का संचार कर सकते हैं व उसे उमंग उत्साह से भर सकते हैं। तो आईये, अपने जीवन में आई ऐसी ही परिस्थितियों,

शख्सियत
बीके परमिंदर, ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र 407 आदर्शनगर, कपूरथला रोड, जालन्धर पंजाब, मो.+917973776493

समस्याओं, शारीरिक बीमारियों से निकलकर खुशनुमा जीवन व्यतीत करने वाले जलांधर पंजाब के नमक व ट्रांसपोर्ट कंपनी व्यवसायी ब्रह्माकुमार परमिंदर की अपनी जीवन गाथा और सुखी जीवन के अनुभवयुक्त साझा किया शिवा आमंत्रण से।

मैं एक बिजनेस मैन हूँ। पिछले 45 सालों से मांसाहार कर रहा था और 30 सालों से शराब पी रहा था। आज से 20 साल पहले कुछ परिस्थितियों के कारण मैं डिप्रेशन का शिकार हो गया था। इलाज के लिए 15 साल तक इधर-उधर भटकता रहा लेकिन कुछ भी फायदा नहीं हुआ। सभी डॉक्टर कहते थे कि शराब आपके लिए बहुत हानिकारक है। आप जो दवाई खा रहे हो, इसमें शराब का सेवन ऐसे ही है जैसे कि आग के ऊपर पेट्रोल डालना। तब भी मैंने डॉक्टर का कहना नहीं माना। रिश्तेदार व घरवाले भी सभी यह मानते और कहते थे कि शराब छोड़ दो लेकिन मुझे पर इसका कोई असर नहीं हुआ।

विजयी भवः का वरदान मिला

पांच साल पहले जब मैं बहुत ज्यादा बीमार हो गया तो लुधियाना के सीएमसी अस्पताल में दाखिल होने के लिए चला गया। वहां डॉक्टर के नहीं मिलने के कारण लौकिक बहन के घर चला गया। बहन ने कहा कि पास में ही ब्रह्माकुमारीज़ का आश्रम है, वहां बहुत से लोग इस प्रकार की बीमरियों से मुक्त हुए हैं। आओ, वहां चलते हैं। मैं वहां जाने के लिए सहमत हो गया। जब हम सेवाकेन्द्र पहुंचा तो देखा कि वहां का वातावरण बहुत शुद्ध एवं शांत है। मन को बहुत सुकून मिला। ब्रह्माकुमारी बहनों के समझाने के बाद मैंने राजयोग का कोर्स शुरू किया। तीसरे दिन मधुबन से दो दीदियां वहां आयी। उन्होंने मेरे से पूछा कि भाई जी, कब से ज्ञान में चल रहे हो? मैनें कहा, दीदी अभी तीन दिन ही हुए हैं। दीदी ने मुझे प्रसाद दिया और मुझे अपनी बुराई पर विजय पाने का आशीर्वाद भी दिया। मैंने प्रसाद खाया और सेवाकेन्द्र से घर की ओर चल पड़ा। रास्ते में मुझे मांसाहार बेचने वालों की दुकान दिखाई दी। मैं वहां रूक गया और उसे खाने के लिए उत्सुक हो गया। तभी मन में ख्याल आया कि अभी-अभी मुझे **विजयी भवः का वरदान** मिला है। अगर मैंने मांसाहार किया तो वरदान तो यहीं पर समाप्त हो जायेगा। तभी 20 सेकेण्ड में मैंने फैसला किया कि अब कभी शराब व मांस का सेवन नहीं करूंगा।

परमात्म प्यार ने बदला जीवन

इसके ठीक तीन महीने बाद मेरा डिप्रेशन ठीक हो गया। मुझे परमात्मा की याद व प्यार का इतना नशा हो गया कि मैं सुबह-शाम सेवाकेन्द्र जाने लगा। और वहां सेवा भी करने लगा। शीघ्र ही मेरी तबीयत बिल्कुल ठीक हो गयी और व्यापार भी चार गुणा बढ़ गया। घर में भी सुख-शान्ति और खुशी का माहौल बन गया। अब दिल यही गाता रहता है, मेरे बाबा, आपने कमाल कर दिया।

स्व परिवर्तन से आत्माओं का परिवर्तन

इसके साथ ही अपनी बिजनेस के लिए मैं जो भागदौड़ और चिंता करता था और जिसके कारण मुझे तनाव रहता था वो भी अब समाप्त हो गया है। राजयोग की मदद से सारा काम अब सहजता से कर लेता हूँ। सबसे बड़ी बात यह है कि मेरे अंदर बहुत ही संतुष्टता आ गई है। तनाव, क्रोध खत्म हो गया है। इस बदलाव के फलस्वरूप मेरे स्टाफ के लोग भी अब खुश रहते है और पहले से ज्यादा काम भी करने लगे हैं। मेरे जीवन में परिवर्तन आने से उनका जीवन भी परिवर्तित होने लगा है। मेरे घर और परिवार वालों का भी जीवन परिवर्तित होने लगा है। घर में जो दुःख कलेष का वातावरण रहता था वो भी अब समाप्त हो गया है।

परमात्मा ने अस्पताल से उठाकर ईश्वरीय सेवा में लगाया

सहजराजयोग से जो अनुभूतियां होती हैं उसे मुख से वर्णन करना कठिन है। उन्हें अनुभव करने तथा जीवन में आये बदलाव से ही राजयोग के सकारात्मक परिणामों का पता चलता है। मेरे जीवन में राजयोग के प्रयोग से डिप्रेशन मुक्त होने के अनुभव द्वारा करीब 40 भाई-बहनें डिप्रेशन से मुक्त हो चुके हैं। इस प्रकार मेरी बीमारी लोगों के कल्याण के निमित्त बन गई। करन-करावनहार परमपिता परमात्मा की कृपा ने ही मुझे अस्पताल से उठा कर ईश्वरीय सेवा में लगा दिया। अब विशेष कई तरह के बदलाव अपने अंदर अनुभव कर रहा हूं। जैसे-शराब, मांसाहार, कई व्यसनों और डिप्रेशन से मुक्त हुआ। काम, कोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे विकारों से मुक्त होकर बना गया राजयोगी। यह सब एक ही समय में कोई डाक्टर, स्वामी या गुरू नहीं कर सकता है। यह सिर्फ एक परमात्म शक्ति ही कर सकती है।

परमात्म प्यार से राजयोग के प्रयोग द्वारा व्यसनों और डिप्रेशन का रोगी ठीक होकर बना राजयोगी

मन की खुराक है मेडिटेशन

जैसे हम शरीर को तीन टाईम खुराक देते हैं वैसे ही मन को भी खुराक की आवश्यकता है। मन की खुराक है मेडिटेशन। जब हम व्यर्थ सोचते हैं, संकल्प-विकल्प ज्यादा चलाते हैं तो इससे मन कमजोर हो जाता है। इसी कारण शरीर भी कमजोर हो जाता है और अनेक बीमारियों का शिकार हो जाता है। ऐसी मानसिक बीमारियां बहुत तेज़ी से बढ़ रही हैं। एक बात और समझ में आई कि जो भी बीमारी होती है वो हमारी सोच से ही शुरू होती है। बातें इतनी बड़ी नहीं होती, हम सोच-सोच कर उनको बड़ा बना दुःखी हो जाते हैं। अगर हम पॉजिटीव सोचते हैं तो हमारे सभी काम सहज हो जाते हैं, अगर हम नेगेटिव सोचते हैं तो हमारे सभी कामों में घबराहट होती है। इससे हमारा बिजनेस भी प्रभावित होता है।

राजयोग से जीवन में आनंद

सहज राजयोग से मेरे शरीर में स्फूर्ति और ताकत आ गयी है। अब मैं स्वयं को मानसिक तौर पर बहुत मजबूत महसूस करता हूं। यह राजयोग की पढ़ाई का ही कमाल है कि अब मैंने स्वयं को व्यवस्थित कर लिया है। मैंने समय का प्रबंधन करना भी सीख लिया है। मैंने खुद की शिव ट्रांसपोर्ट कंपनी, एशियन पेंट कंपनी का ट्रांसपोर्टसन व शिव साल्ट कंपनी के कारोबार को जरूरी समय देकर उसे कई गुणा बढ़ा लिया है। साथ ही साथ परमार्थ और ईश्वरीय सेवा के लिए भी समय निकाल लेता हूं। मेरा करोबार भी अच्छा चल रहा है और आत्म संतुष्टि भी बढ़ गई है। मेरा विश्वास है कि मेरे जैसे बिजनेस व दूसरे धंधे करने वाले अन्य लोग भी अपने कारोबार में राजयोग की मदद से अच्छी तरक्की कर सकते हैं। साथ ही साथ अपने परिवार, संबंधों व समाजिक संपर्कों में संतुलन बैठा कर जीवन में आनंद भर सकते हैं। हम अपने गैर जरूरी खर्चों तथा व्यसनों पर खर्च हो रहे धन को बचा सकते हैं। बचे हुए धन को बच्चों के पालन पोषण में खर्च कर उन्हें अच्छी आदतें और अच्छे संस्कार दे सकते हैं।

संपादकीय

यत्र नार्यस्तु पूज्यते रमंते तत्र देवता, यत्रैतास्तु न पूज्यंते सर्वास्तत्राफला क्रियाः

भारतीय शास्त्र मनुस्मृति में कहा गया है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं और जहां स्त्रियों की पूजा और सम्मान नहीं होता, वहां किए गए समस्त अच्छे कर्म फल निष्फल हो जाते हैं। प्राचीन समय में यह कही गई बात केवल किताबों और शास्त्रों के लिए नहीं है। लेकिन कहीं ना कहीं इसका तात्पर्य है नारी शक्ति स्वरूपा है। देवी-देवताओं में ज्यादातर महिमा दुर्गा, काली, सरस्वती, शीतला, चामुण्डा, लक्ष्मी की होती है। यह नारी के उच्च स्थिति का प्रमाण है। नारी सृजनहार है। एक परिवार की रचना करती है, संस्कार देती और घर को एकता के सूत्र में पिरोकर स्वर्ग का निर्माण करती है। नारी एक ही है लेकिन उसका दायित्व अनेक है। कहीं मां, बहन, बेटी, पत्नी आदि ।

बहुआयामी कर्म और उसका संचालन नारी के स्वभाव में सन्निहित है। सबसे जो बड़ा कर्त्तव्य है मां का। मां के रूप में समाज में एक इंसान को जन्म देती है। केवल जन्म ही नहीं बल्कि एक अच्छा इंसान बनाने का जिम्मा भी मां पर अधिक होता है। इसलिए जब तक हम नारी का सम्मान नहीं करेंगे तब तक कोई भी घर ना तो स्वर्ग बन पाएगा और न ही बेहतर समाज की स्थापना होगी।

[मेरी कलम से]

सीताराम मीना
आयुक्त एवं निदेशक उद्योग, उत्तरप्रदेश के पद से सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी, मोदीनगर (उ.प्र.)

मैंने ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय में पढ़ा और सीखा विश्व एकता का मूल-मंत्र

> विश्व एकता के मूल सिद्धांत और संकल्प ने ही मुझे जोड़ रखा है।

शिव आमंत्रण

प्रशासन में हम सभी महत्वपूर्ण त्योहारों, उत्सवों और आयोजनों के अवसर पर खास शहरों व जिले में शांति समितियों की बैठकें किया करते थे। इनमें सभी धर्मो, संप्रदायों के प्रमुखों तथा प्रतिष्ठित लोगों को बुलाते थे। हिन्दु, मुस्लिम, सिख, ईसाई आपस में सब भाई-भाई। की बातें किया करते थे। ये सारी बातें अच्छे इरादों और शुभ-भावनाओं के साथ करते थे। मैंने जब प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय में राजयोग शुरू किया तो उक्त कहावत का वास्तविक अर्थ समझ आया। वास्तव में सभी धर्मो और संप्रदायों के लोग आपस में भाई-भाई केवल आध्यात्मिक आधार पर ही होते हैं। परमपिता परमात्मा शिव ने हमें यह गह्य रहस्य समझाया है कि मनुष्य सृष्टि में सभी मानव वास्तव में आत्मायें हैं। आत्मा दिखाई नहीं देती परंतु उसे समझा और अनुभव किया जा सकता है। आत्मा मन, बुद्धि और संस्कार से युक्त प्रकाशमय शक्ति-पुंज है जो इस शरीर, इसके अंगों तथा अवयवों का संचालन करती है। जैसे शरीरों के पिता हैं वैसे हम सभी आत्माओं के परमपिता शिव परमात्मा हैं। वह सभी धर्मपिताओं के भी पिता हैं। शरीर के रूप में चाहे हम किसी भी धर्म-संप्रदाय के हों, किसी भी क्षेत्र, प्रांत या देश के निवासी हों; कोई भाषा बोलते हों लेकिन आत्मिक रूप से हम सब एक ही पिता परमात्मा की संतान आपस में सब भाई-भाई हैं। इस महत्वपूर्ण और शाश्वत सत्य को जान लेने से हमारे सारे भेद- भाव, द्वेष-अंतर आदि समाप्त हो जाते हैं। हमारा नजारिया तथा व्यवहार बदल कर प्रेम, सौहार्द्र, समीपता और अपनेपन का हो जाता है। इसी आधार पर सर्व के प्रति मेरा दृष्टिकोण बदल गया। अब सब अपने लगते हैं। सारा विश्व ही अपना परिवार लगता है। इस विश्व विद्यालय में इस सार्वभौमिक सत्य को बड़े सरल शब्दों में सहजता से समझा और अपनाया जाता है। सारे विश्व में ज्ञान मुरली का एक ही पाठ सभी जगहों पर पढ़ाने से सर्वत्र एक ही विचार प्रवाह चलता है और शक्तिशाली योग के द्वारा विश्व एकता के प्रकंपन फैलाये जाते हैं। विश्व में इस तरह का यह एक ही अनूठा पारिवारिक संगठन है जो विश्व की एकता व मानव एकता के लिए दिल से व आत्मिक रूप से प्रयासरत है। इस विश्व एकता के मूल सिद्धांत और संकल्प ने ही मुझे विगत 19 वर्षो से जोड़े रखा है। सहिष्णुता, स्नेह और एक दूसरे के प्रति सम्मान का भाव सहज रिति से मेरे जीवन का हिस्सा बन गए हैं। आईये, हम सभी इससे जुड़कर एक बेहद के विशालतम और श्रेष्ठ ईश्वरीय परिवार का सदस्य व हिस्सा बननें का गौरव महसूस करें।

[आध्यात्म की नई उड़ान]

डॉ. सचिन
मेडिटेशन एक्सपर्ट

हर एक स्थिति में मुस्कुराना सीखें...

> हम आत्माओं का पति तो अविनाशी स्वयं परमपिता परमात्मा परमेश्वर है। वह सदा हमारी रक्षा करता है। इसलिए चिंता करने, रोने आदि की दरकार ही नहीं है। हरेक स्थिति में शांतचित होकर मुस्कुराते रहना है।

हमें बनना है रोनाप्रूफ

एक महिला अपने मायके जाती है। लेकिन ससुराल की बिल्ली से उसे बहुत प्यार होता है। कुछ दिनों बाद वो मायके से फोन पर पूछती है कि 'बिल्ली कैसी है' तो पति बोलता है, 'वो मर गयी '। क्या बिल्ली मर गयी बोलते-बोलते वो जोर-जोर से रोने लगती है। वो पति को कहती है, यह बात आप थोड़ा ठीक तरह से तो कह सकते थे। धीरे-धीरे बताना चाहिए था। एकदम क्यों बता दिया। तो पति बोलता है, 'धीरे धीरे कैसे?' पहले ये बताना चाहिए था कि वो छत पर खेल रही थी, फिर वो नीचे आयी, फिर उसकी टांग टुटी, फिर धीरे धीरे बीमार पड़ गयी, फिर वो मर गयी। ऐसे बताना चाहिए था, एकदम से धक्का दे दिया। जब भी कोई दुर्घटना होती है, किसी की मृत्यु, या किसी की बीमारी, किसी व्यक्ति की तकलीफ या कोई दुखदायी घटना अन्दर जब पहुंचती है तो मन को दुख होता है। रोना एक ऐसी प्रक्रिया है जिस पर बहुत चिंतन किया जा सकता है। व्यक्ति क्यों रोता है? रोने का संबंध दुख से है या सुख से?

रोना है एक अतिरेक

रोने का संबंध न दुख से है, न सुख से। रोने का संबंध अतिरेक से है। जब कोई भी भावना बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, चाहे सुख हो या दुःख की हो, तब क्या होता है आंखों से आंसू आ जाते है। रोना दो प्रकार का है। एक इमोशनल और एक नॉन-इमोशनल। रोना एक ऐसी क्रिया है जो ज्यादातर दुःख को दर्शाती है। सुख में भी व्यक्ति रोता है परन्तु व्यक्ति अधिकतर दुख में रोता है। रोने का संबंध हम समझते है भावना से है, परन्तु वास्तव मे रोने का संबंध भावना से नहीं है। एक महान लेखक डीयो टॉक्शटाईन ने अपने ही मॉ का वर्णन किया है। डीयो का जन्म एक शाही परिवार मे हुआ। उसने लिखा है, मैं सोचता था कि मेरी मां कितनी संवेदनशील है। उसकी मां थिएटर मे नाटक देखने जाया करती थी और वहाँ नाटक मे जो दृष्य दिखते थे, वो देख कर इतनी रोती थी, इतनी रोती थी, कि उसके रूमाल के रूमाल भीग जाते थे। रूमाल बदलने पड़ते थे इतनी वो रोती थी। इतनी भावनाशील, इतनी संवेदनशील। वहां पर कोई रोया तो भी उसकी आँखों में आसु आते थे। डीयो बड़ा हुआ तो धीरे-धीरे उसको समझ मे आया कि ऐसा कुछ भी नहीं। क्योकि जबतक वो मॉ रोती रहती थी अन्दर, थियेटर के बाहर एक बग्गी रहती थी और उस बग्गी मे छः घोड़े बांधे हुए रहते थे। कोचवान को यह हुकुम था वही बैठे रहना जबतक उसकी मालकीन बाहर न आ जाए। बिलकुल हिलना नहीं। एक दिन वो कोचवान वही पर आखरी सांस ले रहा था और वो जब लौट कर वापस आई और कहने लगी 'इसको हटाओं अब दूसरा बिठाओ'। इधर उसकी मृत्यु हो रही है उससे उसको कोई लेनादेना नहीं है। इस घटना को याद कर कर के वो रोती थी। तो उसने अपने जीवन कहानी में लिखा, कि ये जो मेरी मॉ थी, मैं सोचता था ये बहुत भावुक है लेकिन ऐसा कुछ नही था। ये भावुकता नही है तो रोने का संबंध हमेशा भावना से ही हो ऐसी कोई आवश्यकता नही है। रोना कई बार धोखा भी दे देता है।

जिनका पति नहीं वो रोते है

परमात्मा ने हमको रोना फ्रुप बनने के लिए कहा है। रोते वो है जिनका पति नहीं होता। तुम्हारा पति कौन है? अविनाशी है, परमेश्वर है। तो रोना मना है। यह इस यज्ञ का नियम है। जब एक ब्राह्मण आत्मा या व्यक्ति जैसे-जैसे आगे बढ़ती है उसको बहुत सारी चीजों का सामना करना पड़ता है, बहुत सारी चीजे उसे रुलाने का प्रयास करती है। जैसे कि अपमान, धोखा और गलत आरोप, विरोध, ग्लानी, निंदा, असहयोग। इन बातों से जब सामना करना पड़ता है तो स्थिति बिगड़ने लगती है। मैंने उसको बहुत सहयोग दिया लेकिन उसने थोड़ा भी सहयोग न दिया, मैंने उसके लिए सबकुछ किया लेकिन उसने अंतिम क्षण मे साथ छोड़ दिया ऐसा मन में आता है। मदद न करना, सहयोग न देना, या फिर कोई का हम पे अविश्वास होना यह होता रहता है। इतने सालों से साथ मे हूं, साथ में सेवा करते हैं, फिर भी हम पे अविश्वास किया इन बातों से दर्द होता है अन्दर, आत्मा घायल होती है, चेतना रोती है, तब व्यक्ति बाहरी रूप से भी रोता है।

क्रमशः...

बोध कथा
जीवन की सीख

एकाग्रता और निरंतरता
सफलता का असली मंत्र

किसी गांव में एक साधु रहता था, वो जब भी नाचता तो बारिस होती थी। अतः गांव के लोगों को जब भी बारिस की जरूरत होती थी, तो वे लोग साधु के पास जाते और उनसे अनुरोध करते कि वे नाचें। जब वो नाचने लगता तो बारिस ज़रूर होती। कुछ दिनों बाद चार लड़के शहर से गाँव में घूमने आये, जब उन्हें यह बात मालूम हुई की किसी साधू के नाचने से बारिस होती है तो उन्हें यकीन नहीं हुआ। शहरी पढ़ाई-लिखाई के घमंड में उन्होंने गाँव वालों को चुनौती दे दी कि हम भी नाचेंगे तो बारिस होगी और अगर हमारे नाचने से नहीं हुई तो उस साधु के नाचने से भी नहीं होगी। फिर क्या था अगले दिन सुबह-सुबह ही गाँव वाले उन लड़कों को लेकर साधू की कुटिया पर पहुंचे। साधू को सारी बात बताई गयी। फिर लड़कों ने नाचना शुरू किया, आधा घंटा बीता और पहला लड़का थक कर बैठ गया पर बादल नहीं दिखे, कुछ देर में दूसरे ने भी यही किया और एक घंटा बीतते-बीतते बाकी दोनों लड़के भी थक कर बैठ गए, पर बारिश नहीं हुई। अब साधु की बारी थी, उसने नाचना शुरू किया, एक घंटा बीता, बारिश नहीं हुई, साधू नाचता रहा दो घंटा बीता बारिश नहीं हुई। पर साधू तो रुकने का नाम ही नहीं ले रहा था, धीरे-धीरे शाम ढ़लने लगी कि तभी बादलों की गड़गड़ाहट सुनाई दी और ज़ोरों की बारिश होने लगी। लड़के दंग रह गए और तुरंत साधु से क्षमा मांगी और पूछा-बाबा भला ऐसा क्यों हुआ कि हमारे नाचने से बारिस नहीं हुई और आपके नाचने से हो गयी? साधु ने उत्तर दिया-जब मैं नाचता हूँ तो दो बातों का ध्यान रखता हूँ, पहली बात मैं ये सोचता हूँ कि अगर मैं नाचूँगा तो बारिस को होना ही पड़ेगा और दूसरी ये कि मैं तब तक नाचूँगा जब तक कि बारिस न हो जाये।'सफलता पाने वालों में यही गुण विद्यमान होता है वो जिस चीज को करते हैं उसमे उन्हें सफल होने का पूरा यकीन होता है और वे तब तक उस चीज को करते हैं जब तक कि उसमे सफल ना हो जाएं। इसलिए यदि हमें सफलता हांसिल करनी है तो उस साधु की तरह ही अपने लक्ष्य को प्राप्त करना होगा।

संदेशः जब हम खुद पर संपूर्ण यकीन रख एकाग्रता और निरंतरता बनाए रहेंगे, तब ही सफलता को सही मायने में पा सकते हैं। उसके लिए धैर्य रखना बहुत जरूरी है।

प्रेरक विचार
Spiritual THOUGHTS

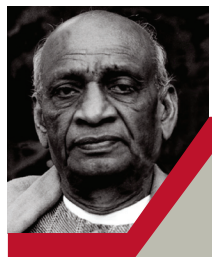

सरदार वल्लभ भाई पटेल
लौहपुरुष

"मेरी एक इच्छा है कि भारत विश्व में एक श्रेष्ठ उत्पादक देश हो जहां कोई भूखा अन्न के लिए आंसू ना बहाए"

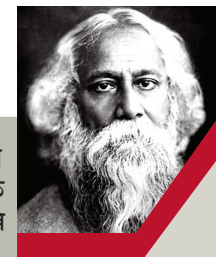

रवींद्रनाथ टैगोर
भारतीय साहित्यकार एवं दार्शनिक

"जब मैं अपने आप पर हंसता हूं तो मेरे अंदर का जो बोझ है वो कम हो जाता है"

[बी.के. शिवानी]

जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ
अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर और ब्रह्माकुमारीज़ की टीवी ऑइकॉन
गुरुग्राम, हरियाणा

जीवन प्रबंधन

कमजोरी छोड़, 99 विशेषताओं को देखना सिखाता है राजयोग

परमात्मा कहते है, जिसका चिंतन करोगे वो आपके चित पर रहना शुरू हो जाएगा। हमे लगता है हम उनके बारे मे सोच रहे है, लेकिन जो हमने सोचा वो बाते आज नही तो कल हमारे मुह से निकल जाएगी।

शिव आमंत्रण आबू रोड। जिसके बारे मे सोचेंगे, अटेन्शन वहीं जायेगा। किसकी कमजोरी देखेंगें तो हमारी वायब्रेशन उसकी कमजोरी से ही कनेक्ट होगी। परमात्मा कहते है, जिसका चिंतन करोगे वो आपके चित पर रहना शुरू हो जाएगा। हमे लगता है हम उनके बारे मे सोच रहे हैं, लेकिन जो हमने सोचा वो बाते आज नही तो कल हमारे मुह से निकल जाएगी। जब निकल जायेगी तो औरों के चित पर बैठ जाएगी। किसी ने कहा, यह फूल बहुत सुन्दर है। तो पहले फूल देखा, फूल का चिंतन किया, अपने चित पर रखा फिर बोला। हमने सुना, तो हमने भी चित पर रखा। अब हम इकट्ठा मिलकर ये विचार क्रिएट करते है, 'ये फूल बहुत सुन्दर है' तो हम सब की अच्छी वायब्रेशन उस पर जाएगी। तो फूल क्या हो जाएगा? थोड़ा और सुन्दर हो जाएगा। क्योंकि हम सब ने उसकी विशेषता देखी, उसकी विशेषता को चित पर रखा। इकट्ठे मिलकर बोला फूल तो मुरझाया हुआ है। तो क्या हो जाएगा? फूल सुख जाएगा।

आदत ऐसी बन जाएगी, संस्कार ऐसा बन जाएगा कि किसी के अंदर 99 विशेषता होगी और एक कमजोरी होगी तो भी कमजोरी दिखेगी।

वो बंद कर देगा सुनाना

जब हम किसी की विशेषता देखते हैं, अच्छा सोचते हैं, अच्छा बोलते हैं तो उसको कहते हैं दुआएं देना। दुआओं से सामने वाला खुश हो जाता है। तो आज से हम एक होमवर्क करते है- जिसको भी देखेंगें उसके अन्दर सब कुछ अगर गलत भी दिख रहा हो लेकिन कुछ देर रूक करके उसके अन्दर एक अच्छी चीज को ढुंडेंगे। जैसे हमारे साथ कोई बैठा हो वो कहेगा ये ऐसा क्यो करते हैं? तो हम उसको कहेंगे रुको ना, ये अच्छा भी तो करते है ना। फिर हम उससे बोलेंगे रुको, उसने उस दिन बहुत अच्छा किया था। तो वो कितनी बार सुनायेंगे हमे कमजोरियाँ? दो बार, पांच बार। फिर बोलेंगे, छोड़ो। ये तो मेरी बात समझते ही नही है। जब एक बार सामने वाले को ये पता चल गया हम उसकी वैसी वाली बात सुनते नही तो वो हमें वैसी बात सुनाना बंद कर देगा। लेकिन वो बोलता जाएगा, हम उसे रोकेगें नही और जितना कमजोरियां देखने की आदत पड़ती जाएगी, तो हमें हरेक की कमजोरियां ही दिखेगी। आदत ऐसी बन जाएगी, संस्कार ऐसा बन जाएगा कि किसी के अन्दर 99 विशेषता होगी और एक कमजोरी होगी तो भी कमजोरी दिखेगी। क्योंकि देखने की आदत पड़ गयी, सोचने की आदत पड़ गयी। तो आज एक चीज ध्यान रखना, जैसे ही किसी की कमजोरी दिखे, चिंतन किया तो अपने आप को कहना, अब मैने उनकी इनफेक्शन को खत्म कर लिया। क्योंकि सारा दिन मे जितने लोग मिलेंगें एक कमजोरी तो मिल ही जाएगी। लेकिन हमे अपने को देखना है कि हम दूसरे के बारे मे क्या सोचते हैं। जैसे ही मन थोड़ा भी सोचना शुरू करें कुछ देर रुकना चाहिए और उस दाग को उसी टाइम साफ करना चाहिए। कैसे साफ करेंगे? उनके अन्दर एक चीज तो अच्छी है, हम दुसरों के गुणों को देखेंगे। हमे हमेशा याद रखना है कि हम उनके बारे मे जो सोचेगें वो कर्म बनता जा रहा है। दुनिया हमे मैली क्यो दिख रही है? क्योंकि हरेक ने एक दुसरे के मैल को अपने अन्दर भर लिया।

अन्दर से करो पुरी सफाई

आज से हम एक होमवर्क करते हैं- दिवाली मे हम सबसे पहले क्या करते हैं? सफाई करते हैं। पुरा साल हम उपर-उपर से सफाई करते हैं और दिवाली पर हम कोने-कोने की सफाई करते हैं। नया पेंन्ट कब करेंगे, जब अन्दर से पुरा सफाई कर देंगे। दिवाली मतलब नवीनता। तो इस एक सप्ताह मे जो भी पुरानी से पुरानी बातें हैं उनको निकालना है। अपने मन को अच्छे विचार देकर उस किचड़े को वहाँ से निकालना है। कुछ किचड़ा इजी निकल जाएगा, कुछ किचड़ा रगड़ना पड़ेगा। लेकिन छोड़ना नही है उसको, क्योंकि दिवाली है। अगर किचड़ा एक कोने मे भी पड़ा हो तो उससे पूरे घर की एनर्जी खराब हो सकती है। किस किस के बारें मे क्या क्या सोच कर, पकड़ के रखा है। किसी ने उस दिन मेरे साथ अच्छे से व्यवहार नही किया, किसी ने 20 साल पहले कुछ कहा था उसको पकड़ के रखा है। कल रात को खाना क्या खाया था वह याद नही होता, लेकिन 20 साल पहले इस दिन, इस टाइम, यह ड्रेस था, सब कुछ पकड़ के रखे होते हैं। हमको चूज करना है हमें क्या याद करना है, रात को खाना क्या खाया वो हमे याद नही होता है, हम उसको पकड़ के नही रखते हैं। हम माइन्ड को प्रेरणा देते हैं ये बात भुलना नही है। माइंड के जैसा आज्ञाकारी कोई और नही है, लेकिन हम तो ऐसे ही कहते रहते हैं 'मेरा मन तो मेरा कहना नही मानता'।

मन मानता है हर कहना

सच्चाई ये है, कि मेरा मन हर कहना मानता है लेकिन हम कहते क्या है यह महत्वपूर्ण है। किस-किस के पास है पुरानी बातें जो अभी भी याद है? अगर पुरानी बाते याद रहेगी तो आपके घर मे लक्ष्मी नही आयेगी। लक्ष्मी कहाँ आयेगी? जहाँ प्योरिटी, दिव्यता इमर्ज होगी। अगर अपने अन्दर दिव्यता इमर्ज करनी है तो कोई भी बात पकड़ के नही रख सकते। दिव्यता मतलब चित कैसा है? पूरा क्लीन। कोई भी पुरानी बाते हैं उसको खोलो आज, दबाके नही रखना नीचें। अगर कोई भी बात दबी रही तो हमे याद रखना है, जीवन मे भी किचड़ा पकड़ा रहेगा। जब आत्मा शरीर छोड़ेगी और दुसरा शरीर लेगी तो आत्मा अपने साथ क्या ले कर जाएगी? उसने मुझे उस दिन ये कहा था वो ले कर जाएगी। और फिर थोड़ा सा भी अगर कोई कुछ कहेगा तो वो बात उस शरीर मे पहले से ही रिकार्ड है, तो वो बोलेगा हरेक मुझे ऐसा ही कहता है। इसलिए आत्मा का चित बिलकुल साफ होना चाहिए। किसी भी क्षण आत्मा शरीर छोड़े तो कैसे जाना चाहिए? अभी फिल करे, अगर आत्मा अभी शरीर छोड़ दे तो कैसे आएगी दूसरे शरीर में? एकदम क्लीन, एकदम लाईट। जहाँ दूसरी ओर पैदा होगी, पण्डितजी कहेगें - 'क्या भाग्य लेकर पैदा हुआ है ये बच्चा, इसके भाग्य मे सबकुछ परफेक्ट है'। क्यों परफेक्ट है? क्योंकि आत्मा सारी गलत चीजे क्लीन करके आयी है...

सूचना

सामाजिक सेवाओं तथा आंतरिक सशक्तिकरण के प्रयास के साथ निकाला गया मासिक शिव आमंत्रण समाचार पत्र एक संपूर्ण अखबार है। इसमें आप सभी पाठकों का लगातार सहयोग मिल रहा है, यही हमारी ताकत है।

वार्षिक मूल्य 110 रुपए
तीन वर्ष 330
आजीवन 2500 रुपए

पत्र व्यवहार का पता

संपादक ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज़ शिव आमंत्रण ऑफिस,
शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरोही,
राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो 9414172596, 9413384884
Email shivamantran@bkivv.org

जीवन का मनोविज्ञान
भाग - 21

[डॉ. अजय शुक्ला]

बिहेवियर साइंटिस्ट
गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

"महान जीवन और सकारात्मक अभिप्रेरणा की दिव्य अनुभूति"

शिव आमंत्रण आबू रोड। जीवन का नैसर्गिक बोध मानव को आत्मा की अनुभूति कराने का कारक बनता है जिससे परमात्मा की विराटता सम्पूर्ण मानवता को धन्यता प्रदान कर देती है। व्यक्ति को अपने महान जीवन और स्वयं से प्राप्त सकारात्मक अभिप्रेरणा द्वारा दिव्य अनुभूति, आध्यात्मिक पुरुषार्थ के परिष्कार में परिलक्षित होती है। जीवन की सार्थकता को सिद्ध करने की आंतरिक उत्कंठा व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास हेतु भगीरथ प्रयत्न को सदा सकारात्मक ऊर्जा से पोषित करती है। भावनाओं एवं विचारों के मध्य संतुलन बनाने में परिपक्व व्यक्ति जब आत्मजगत की समृद्धि के संबंध में साक्षात्कार कर लेते हैं तब उन्हें जीवन की महानता का रहस्य स्पष्ट होता है। आत्मिक उच्चता की स्थिति अनवरत रखने के लिए ईश्वरीय सत्ता के साथ संबंध जोड़कर महान जीवन की स्थिरता को व्यावहारिक स्तर पर स्वीकार किया जा सकता है।

ज्ञान, योग, धारणा और सेवा से संपूर्णता

मानव अपनी भक्ति एवं ज्ञान के सामंजस्य में आध्यात्मिक पुरुषार्थ की गतिशीलता से धारणात्मक स्वरुप की निरन्तरता को मंसा, वाचा और कर्मणा की पवित्रता द्वारा व्यक्त करता है। आत्म सत्ता की उच्चता का समृद्धशाली पक्ष व्यक्ति के लौकिक, अलौकिक एवं परलौकिक संबंधों की संरचना को आत्मिक उत्थान के सन्दर्भ में एक मूल्यपरक विश्लेषण हेतु सदा प्रेरित करता है। कर्म जगत की वास्तविक अनुभूतियां मनुष्य को मुक्ति और जीवन मुक्ति की गुह्य गति से निष्काम कर्मयोग की ओर अग्रसर करने में निपुण होती है। परमात्म शक्ति से आत्मिक प्रेम की प्रगाढ़ता का प्रमाण सर्व आत्माओं से निःस्वार्थ प्रेम की स्थिति है जो जीवन के आनंददायी पक्ष को अभिव्यक्त करता है। आत्मा को सम्पूर्ण बनाने हेतु ईश्वरीय वरदान के रूप में मानव को सूक्ष्म प्राप्तियां होती हैं तब ज्ञान, योग, धारणा एवं सेवा, व्यवहार द्वारा परिलक्षित होते हैं।

भाव, भाषना, भावना एवं भाषा में पवित्रता

सम्पूर्ण मानवता के कल्याण हेतु पवित्रता का अनुकरण किया जाना राजयोग के गहन रहस्य को उजागर करने के संबंध में विशेष महत्व रखता है जिससे सदा आत्मा की शक्ति अनुभव होती है। आत्मा की स्थितप्रज्ञता के लिए आत्मिक चित्त की स्थिरता में गुण एवं शक्ति सम्पन्नता की स्थिति आत्मा की उच्चता को भाव, भाषना, भावना और भाषा की पवित्रता के रूप में प्रमाणित करते हैं। जीवन में सात्विक चेतना का बोध अन्तःकरण की पवित्रता और संस्कार परिवर्तन हेतु भावजगत को सतोप्रधान करने का पुरुषार्थ करता है। आत्मा की शुचिता का स्वरुप इतना व्यापक होता है कि निरंतर मन, वचन एवं कर्म की पवित्रता के लिए आत्मिक संकेत प्राप्त होते रहते हैं जिससे व्यक्ति अंततः जीवन की महानता को स्वीकार कर लेता है। स्वयं का साक्षात्कार आत्म मूल्यांकन कराता है जिसमें जीवन की पवित्र भावनाएं और विचार आत्म चिंतन की प्रक्रिया को स्पंदित कर देते हैं। व्यक्तिगत जीवन की उच्चता के लिए स्वयं को अमूल्य धरोहर की स्थिति में स्थापित करना आत्मिक स्वरुप का जीवंत प्रमाण है। आत्म सम्मान के जितने भी आयाम मानवीय संकल्पना में उत्पन्न होते हैं उनकी सूक्ष्म प्रवृति के वृहद् परिणाम व्यवहार जगत में स्वमेव दृष्टिगोचर होजाते हैं। दिव्य जीवन की सुखद अनुभूतियां व्यक्ति को महानता की श्रेणी में आबद्ध कर देती हैं जिसमें सकारात्मक अभिप्रेरणा की विशिष्ट भूमिका होती है। जीवन के प्रांगण में आत्मिक पवित्रता का पूज्य स्वरुप महामानव बनकर इसी जन्म में नया जन्म प्राप्त करने का श्रेष्ठ उपाय है। स्वयं को आधार, उद्धार, उदाहरण और अनुभवीमूर्त आत्मा के स्वरूप में विकसित करने के लिए सदगुणों से सम्पूर्णता एवं सम्पन्नता आत्मिक स्तर पर प्राप्त करना आवश्यक होता है।

वंडर्स ऑफ BRAHMAKUMARIS

इस कॉलम में हम आपको ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान एवं भाई-बहनों को मिले और दिये जानेवाले पुरस्कार वा सम्मान से रूबरू कराएंगे।

ब्रह्माकुमारीज़ ने स्कूल को दिया राष्ट्रीय तंबाकू कंट्रोल सर्टिफिकेट

सर्टिफिकेट के साथ बीके सदस्य , स्कूली छात्र एवं टीचर।

शिव आमंत्रण उल्हासनगर। ब्रह्माकुमारीज के मेडिकल विंग द्वारा महाराष्ट्र में उल्हासनगर के एसडी ओचानी स्कूल एवं जूनियर कॉलेज को तंबाकू फ्री स्कूल का सर्टिफिकेट दिया गया। इस मौके पर स्कूल की प्राचार्या भगवंती बसंतानी के साथ बीके सावित्री, बीके श्याम तथा बीके नरेश शामिल रहे। यह सर्टिफिकेट सरकार के दिए गए 7 नियमों का पालन करने पर दिया गया है।

अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस से ब्रह्माकुमारीज़ सम्मानित

अवार्ड शो के बाद ग्रुप में फोटो बीके मृत्युंजय एवं अन्य।

शिव आमंत्रण पुणे। सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए पुणे के होटल नोवोटल में टॉप मैनेजमेंट कन्सोर्टियम फाउंडेशन द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। फाउंडेशन के सोशल सर्विस कैटगरी में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के महासचिव बीके निर्वैर, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय को 'अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस 2019-2020' से नवाज़ा गया। उन्हें यह अवार्ड वैश्विक शांति और आध्यात्मिक सशक्तिकरण के लिए वैल्यू एजुकेशन और राजयोग मेडिटेशन का प्रचार प्रसार करने के लिए प्रदान किया गया। लेकिन कुछ पूर्व प्रतिबद्धताओं के कारण बीके निर्वैर इस समारोह में शामिल नहीं हो पाएं। उनकी जगह यह अवार्ड माउंट आबू के ग्लोबल हॉस्पिटल में डाइटीशियन और फिटनेस एक्सपर्ट बीके डॉ. सुजाता और एजुकेशन विंग की मुख्यालय संयोजिका बीके शिविका ने स्वीकार किया। इस दौरान सिक्किम के पूर्व गवर्नर श्रीनिवास पाटिल, वीक्फील्ड समूह के चेयरमेन बहरी बी.आर मल्होत्रा, सिम्बॉयसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के फाउंडर प्रेसिडेंट डॉ. एस.बी मजूमदार, डॉ. डी.वाय. पाटिल समूह के ट्रस्टी एवं महासचिव डॉ. जे.जी. पाटिल मुख्य रूप से मौजूद थे।

अगले अंक में आप जानेंगे संस्था की अन्य उपलब्धियों के बारे में.. पढ़ते रहिए शिव आमंत्रण।

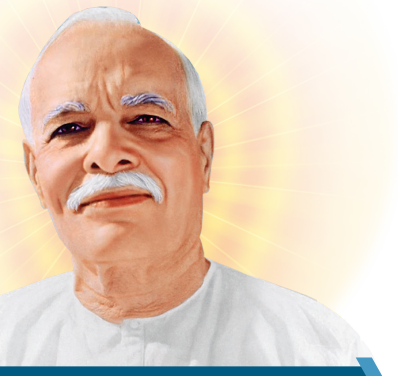

रियल लाइफ

[प्रजापिता ब्रह्मा बाबा]

संस्थापक
प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

विदेही अवस्था का अनुभव और श्रीलक्ष्मी- श्रीनारायण का हुआ दिव्य साक्षात्कार

रियल लाइफ कॉलम में हम आपको प्रत्येक अंक में बताएंगे इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मार्ग में क्या बाधाएं आईं और उनका सामना ब्रह्मा बाबा ने कितनी सरलता से किया.... जीवन को पलटाने वाली अद्भुत जीवन कहानी पुस्तक से क्रमश...

हम आपको परमपिता परमात्मा का सन्देश दे रहे हैं...।'' हमारी इन बातों को सुनकर लौकिक माता-पिता तथा अन्य लोग बहुत प्रभावित होते थे। उनमें से कई तो ध्यानावस्था में साक्षात्कार भी करते थे। वे हमें देवियाँ अथवा शक्तिरूपा मानकर हमारी बातों पर ध्यान देते थे....।''

दिव्य दृष्टि के निराले अनुभव, योग की भट्ठी और दिनचर्या, ईश्वरीय कचहरी...

इस प्रकार अपने-अपने लौकिक सम्बन्धियों को भी ईश्वरीय सन्देश देकर अब लगभग तीन सौ यज्ञ-वत्स कई वर्ष तक उन पांच मकानों में व्यवस्थापूर्वक रहकर, नियमपूर्वक ईश्वरीय विद्या लेते रहे। अलग-अलग घरों,अलग-अलग संस्कारों और विचारों तथा अलग-अलग आयु वाले और आर्थिक दशा वाले इतने सारे व्यक्तियों का परस्पर स्नेह से रहना यह कोई कम बात नहीं है। इस घोर कलियुग में चार-छः बच्चे भी चिरकाल तक शान्तिपूर्वक और स्नेह से इकट्ठे नहीं रह सकते। परन्तु परमपिता शिव, जिन्होंने ही प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा यह ज्ञान-यज्ञ रचा था, की ही कमाल थी कि इतने वर्षों तक सैकड़ों व्यक्ति यज्ञ-माता और यज्ञ-पिता से अलौकिक शिक्षाओं को धारण करते हुए परस्पर स्नेहपूर्वक इकट्ठे रह रहे थे, इकट्ठे पुरूषार्थ कर रहे थे और सभी अपने-अपने संस्कारों को शुद्ध करने का कार्य कर रहे थे। अनेकानेक बार भिन्न-भिन्न प्रकार के विघ्न आये। जैसे यात्रा पर जाते स्टीमर के आगे समुद्री तूफान, आंधियाँ, धुन्ध, व्हेल मछलियां, समुद्री चट्टानें आदि-आदि आती हैं, वैसे ही कई विघ्न इस ज्ञान-स्टीमर के सामने आये। व्यक्तिगत रीति से भी हरेक के सामने नित्य कई प्रकार की परीक्षाएं आईं। परन्तु परमपिता परमात्मा सब प्रकार से मार्ग-प्रदर्शना, सहायता तथा बल देकर उन तूफानों और परीक्षओं से पार कराते रहे। बाबा (प्रजापिता ब्रह्मा) और मम्मा (जगदम्बा सरस्वती) के आदर्श जीवन से सभी को अजेय उत्साह, प्रबल प्रेरणा और मार्ग-दर्शन प्राप्त होता रहा।

सन्देश-पुत्रियों द्वारा दिव्य दृष्टि के पार्ट

जिन यज्ञ-वत्सों को दिव्य दृष्टि प्राप्त थी अर्थात् जो वत्स ध्यानावस्था में दिव्य साक्षात्कार करते रहे, उनके द्वारा भी शिव बाबा बहुत अनमोल सन्देश सभी यज्ञ-निवासियों के लिए देते रहते थे। अतः ये कन्याएं-माताएं सन्देश पुत्रियों के नाम से जानी जाने लगीं। शिव बाबा ने उन्हें आने वाली सतयुगी पावन, दैवी सृष्टि की लौकिक रीति-रस्म, उनके रहन-सहन, राज्य-भाग्य, रास-हास्य और विनोद आदि-आदि के दृश्य दिखाये और उन्हें निर्देश दिया कि वे सभी यज्ञ-वत्सों को, वैसी ही वेश-भूषा पहन कर, सब प्रैक्टिकल रीति में करके दिखायें। इस प्रकार यज्ञ-वत्सों के ज्ञान का भी विकास होता, उनका मनोरंजन भी होता रहता, उनके निश्चय की नींव भी अधिकाधिक पक्की होती रहती तथा यह देखकर उनकी खुशी भी बढ़ती जाती कि अब हम ऐसी पावन और सुखमय सृष्टि में राज्य-भाग्य प्राप्त करेंगे। इन 'सन्देश-पुत्रियों' को त्रिकालदर्शी एवं दिव्य दृष्टि के दाता परमपिता परमात्मा शिव कुछेक ऐसे यज्ञ-वत्सों के कर्मों का भी ध्यानावस्था में साक्षात्कार करते थे जो वत्स अपने संस्कारों में परिवर्तन न होने के कारण कोई अकर्त्तव्य करते थे परन्तु यज्ञ-माता को बताते नहीं थे बल्कि छिपाते थे। वे समझते थे कि हमें कोई देख नहीं रहा है अथवा हमारे मन के संकल्पों-विकल्पों को कोई जानता नहीं है। जब वे सन्देश-पुत्रियों उनके भेदों को बताती थी तो वे दंग रह जाते थे और भविष्य के लिए इस विचार से सावधान हो जाते थे कि शिव बाबा (परमपिता परमात्मा) हमारे सभी कर्मों को जानता है। सन्देश-पुत्रियों ध्यानावस्था में धर्मराजपुरी में विकर्मों के परिणामस्वरूप मिलने वाले कड़े दण्डों का भी साक्षात्कार करती थीं। अतः उन दृश्यों का भी वे यहाँ वर्णन करती थी अथवा वे अभिनय करके दिखाती थी कि धर्मराजपुरी में विकर्मों का दण्ड कैसे मिलता है। इसके परिणामस्वरूप यज्ञ-वत्स बुरे कर्मों से बचकर रहते थे ताकि वे ऐसे भयानक दण्ड के भागी न बनें। इस प्रकार अन्योन्य दिव्य साक्षात्कार भी होते रहते थे और उनसे बहुत ही शिक्षाएं मिलती थी। सन्देश पुत्रियों को परमपिता परमात्मा शिव ने पिताश्री के अनेक जन्मों का साक्षात्कार भी कराया था और सूक्ष्म लोक के 'सम्पूर्ण ब्रह्मा' अथवा अव्यक्त ब्रह्मा का साक्षात्कार कराते हुए यह भी समझाया था कि यह 'बाबा' और 'मम्मा' ही 'प्रजापिता ब्रह्मा' और 'जगदम्बा सरस्वती' हैं जोकि सर्वस्व त्याग , अथक लोक-सेवा, दिव्य गुणों की पराकाष्ठा, निर्विकार जीवन तथा राजयोग के विशेष अभ्यास के फलस्वरूप इस अव्यक्त अवस्था को धारण करेंगे।

-अगले अंक में क्रमशः

माइंड पॉवर ऑफ YOUTH

राजयोग से हुआ सर्व प्राप्तियों और संतुष्टता का अनुभव...

[बीके सुनीता
पूर्व एसिस्टेंट प्रोफेसर
श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स
विश्व विद्यालय, दिल्ली

बचपन से सुना करती थी कि परमात्मा को पाने के बाद किसी और चीज को पाने की इच्छा नहीं रह जाती। लेकिन प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय से राजयोग के निरन्तर अभ्यास द्वारा अनुभव किया कि अगर दुनिया में कोई बड़े से बड़ी प्राप्ति है, बड़े से बड़ा ज्ञान है तो वो है राजयोग। जिसके माध्यम से हम अपने जीवन में सर्व प्राप्तियों के मालिक बन जाते हैं और संतुष्टता का अनुभव करने लगते हैं। परमात्म स्नेह के आधार से तन-मन-धन सहित सहज रूप से हमारे अन्दर समर्पण भाव आ जाता है। इसलिए मैं अपने अनुभव से कहती हूँ कि आप लोग भी एक बार अवश्य ही राजयोग का सहज अभ्यास कर अपने जीवन को सुख और शांति से भरपूर कीजिए।

मेडिटेशन से परमात्म गोद और आनंद की हुई अनुभूति...

[आकांक्षा कुमारी
बीसीए स्टूडेंट
आरएन कॉलेज, हाजीपुर
वैशाली (बिहार)

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा सिखाया जा रहा राजयोग का अभ्यास पिछले 6 वर्षों से कर रही हूं। इसके पहले तनावयुक्त जीवन था जो अब तनावमुक्त हो चुकी हूं। राजयोग अभ्यास के साथ-साथ संस्थान का परमात्म महावाक्य भी रोजाना सुनती हूं। मेरे जीवन में किसी भी तरह का जो उतार-चढ़ाव आता है उसका सटीक उत्तर इस परमात्म महावाक्य में मुझे मिल ही जाता है। जीवन का आध्यात्मिक होना मुझ जैसे युवाओं के लिए बड़े ही गौरव की बात है। शिक्षा के क्षेत्र में भी एकाग्रता के लिए मेडिटेशन का अभ्यास बहुत आवश्यक है। राजयोग अभ्यास के बाद मुझे परमात्म गोद और बेहद आनंद की अनुभूति होती है। मैं सभी युवाओं से आग्रह करूंगी की एक बार अपने जीवन में मेडिटेशन के अभ्यास को अवश्य अपनायें।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा हो रहा संस्कार परिवर्तन का कार्य...

अंबिकापुर जेल में चल रही आनंद की पाठशाला

बंदियों को सकारात्मक रूप से परिवर्तन के लिए विशेष रूप से कई सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों द्वारा उमंग-उत्साह वाले क्लास आयोजित कर उनका मन, बुद्धि, संस्कार, स्वभाव, आचरण और चरित्र को सात्विक बनाने का कार्य चल रहा है।

आनंद की पाठशाला में बंदी सीख रहे सच्चाई, ईमानदारी

जेल में आयोजित कार्यक्रम में महिला-पुरुष बंदियों को संबोधित करती हुई बीके विद्या।

शिव आमंत्रण अंबिकापुर/छत्तीसगढ़। अपराध का मूल कारण विकार, व्यसन और नकारात्मक विचारधारा है। इस विचारधारा को समाप्त करने की दिशा में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान अहम भूमिका अदा कर रही है। पिछले दो वर्षों से अंबिकापुर केंद्रीय जेल में ईश्वरीय सेवाएं बड़े ही जोर-शोर से चल रही हैं। अपराध वृत्ति अच्छे आचरण में बदलने लगा है। सामान्यतौर से कारागार में कैदियों के बीच आपसी मन मुटाव, गाली-गलौज, कहासुनी का भय रहता था। परन्तु राजयोग की जीवनशैली और आध्यात्मिक ज्ञान ने कैदियों के पूरे स्वभाव को बदल दिया। यहां के कैदी दोषारोपण, कुदृष्टि को बंद कर गुणग्राही बन रहे हैं। सद्भावपूर्ण माहौल में हर कोई आध्यात्मिक ज्ञान का श्रवण कर राजयोग में मगन रहता है। इससे जेल का माहौल सुन्दर और शांतिमय बन जाता है।

राखी बांध कर हुई ज्ञान की शुरुआत...

सन् 2018 में कारागृह में ईश्वरीय सेवा की शुरुआत कई कैदी भाईयों को ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा राखी बांधकर की गई। यहीं से धीरे-धीरे सेवाओं का विस्तार होता गया। बीके विद्या और उनके सहयोगी भाई-बहनों ने ज्ञान गंगा बन कारागृह के करीब 2500 बंदियों को राजयोग मेडिटेशन के प्रशिक्षण के साथ बदलाव की इस मुहिम का शंखनाद कर कईयों का जीवन परिवर्तन किया है।

खूंखार कैदियों ने भी सीखा राजयोग...

राजयोग और ध्यान का जेल में इतना असर हुआ कि अनेक खूंखार कैदी आध्यात्म की राह पर चल चुके हैं। करीब 250 से 300 पुरूष कैदी एवं 55 से 65 महिला कैदी भी रोजाना ब्रह्म मुहूर्त में उठ कर योग ध्यान लगाते हैं और साथ में परमात्मिक महावाक्य सुनकर ज्ञानी बन रहे हैं ।

2018
से जारी है राजयोग मेडिटेशन का प्रशिक्षण

250-300
पुरुष बंदी प्रतिदिन लगाते हैं ध्यान

55-65
महिला बंदियों का भी बदला जीवन

जेल अब सच में सुधारगृह बना

शिव आमंत्रण बहुत समय से अंबिकापुर केंद्रीय जेल में ईश्वरीय सेवायें चल रही हैं परन्तु 2018 से राजयोग मेडिटेशन का प्रशिक्षण नियमित रूप से प्रारम्भ किया गया। कारागृह की प्रायः सभी कैदी(महिलायें एवं भाईयों को) प्रतिदिन ध्यान लगाते हैं, सुबह उठकर बाबा से बातें करते हैं और स्वमान का अभ्यास करते हैं , कि मैं शान्त स्वरूप आत्मा हूं, मैं परम पवित्र आत्मा हूं और मैं मास्टर सर्वशक्तिमान आत्मा हूं। 25 प्रतिशत कैदियों के जीवन में तेजी से बदलाव भी नजर आता है। कई कैदी कहते हैं कि यहां से निकलने के बाद मैं भी परमात्म सेवा ही करूंगा। सभी कैदी अभी आपस में बहुत मिलजुल कर रहने लगे। जेल के काम को काम नहीं सेवाभाव समझकर करते हैं। समय पर हर कार्य करने की कोशिश करते हैं। एक-दूसरे को मदद करते हैं। जेल को सुधार गृह भी कहा जा सकता हैं जिसमें विशेष रूप से आत्माओं को सुधारा जाता हैं। जो अब सच में सुधार गृह बन चुका है। वर्तमान समय सत्य ज्ञान की सबको अति आवश्यकता हैं, क्योंकि ज्ञान से ही मन में श्रेष्ठ विचार आते हैं और श्रेष्ठ विचारों से आत्मा शक्तिशाली बनती जाती हैं। जीवन के हर परिस्थिति में सकारात्मक सोच अपनाते हैं तो हमारा जीवन खुशियों से भरपूर हो जाता हैं।

● बीके विद्या, सेवाकेंद्र प्रभारी, सरगुजा संभाग, छ.ग.।

महिला बंदी का अनुभव

अंबिकारपुर जेल के महिला कैदियों ने अपने विचार व्यक्त किए..

अनेक भटके, अशांत आत्माओं को रास्ता दिखा रहा है ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग

शिव आमंत्रण ब्रह्माकुमारीज़ के कोई भी सदस्य भाई-बहन जब जेल में मेडिटेशन क्लास कराने आते हैं, तो मुझे ऐसा लगता हैं कि सामने एक ज्योति बिन्दू का चमकता हुआ परमपिता परमात्मा शिवबाबा खड़े हैं और अमृत भरे बातों को सुनाकर भटके हुये आत्माओं को जन्म जन्मांतर के कल्याण अर्थ सच्चा रास्ता दिखा रहे हैं। मुझे यह बात बताते हुए अपार खुशी मिल रही है। मुझे लगता था कि मैं ऐसी दुःखी, पापी और अपराधी हूं ऐसे दुनिया में कोई नहीं होंगे। मैं और अपने बच्चों को सिर्फ एक शिवबाबा के ऊपर सौंप कर निश्चित हो चुकी हूं। जीवन के पिछले 17 साल से जेल में हूं जिसके कारण अपने परिवार और बच्चों से दूर हूं। मुझे निश्चय हैं कि मेरा और मेरे बच्चों का एकमात्र सहारा शिवबाबा हैं, उनके सहारे ही अपने बच्चों को छोडती हूं क्योंकि इस दुनिया में मेरा और कोई भी नहीं हैं।

● बेलवंती,
महिला बंदी, अंबिकापुर।

अब खुद को अपराधी नहीं भाग्यशाली मानती हूं...

शिव आमंत्रण पिछले कई दिनों से ब्रह्माकुमारीज़ की अच्छी-अच्छी बातें सुनकर मेरे मन में जो गलत बातें आ रही थी वो अब नहीं आ रही है। मेरे से कहीं न कहीं गलती हुई है इसलिए मैं जेल आयी हूं। मैं अपने आप को बहोत पापी समझती थी। लेकिन अब मैं अपने आपको बहुत भाग्यवान समझती हूं। मैं कभी सोचती हूं कि यहाँ से जब निकलूंगी तो कैसे लोगों को मुँह दिखाऊँगी। लेकिन मैं अब लोगों को अच्छी बातें बताऊंगी और जब तक जेल में रहेंगी, तब तक अपना समय व्यर्थ नहीं जाने दूंगी। इस समय को अच्छे से गुजारूँगी और अच्छा सोचूँगी, अच्छा बोलूँगी, और अच्छे राह पर चलूँगी।

● रूमा मंजुदार, महिला बंदी, अंबिकापुर।

मेरा नजरिया

कोई जन्म से अपराधी नहीं होता

विगत 25 वर्षों से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय सेवा केंद्र से जुड़ा हूं। अपने अनुभव के आधार पर कहता हूं कि 'विश्व गुरू शिवबाबा' की दृष्टि से अपनी आँखों में शीतलता पायी है। मेरे परिवार में सभी सदस्य उनके अनुपम कृपा से धन-धान्य से परिपूर्ण, स्वस्थ और समाज में सकारात्मक भाव से आदर्श जीवन-यापन कर रहे हैं। छत्तीसगढ़-शासकीय सेवा में केन्द्रीय जेल अधीक्षक के नाते रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर और अम्बिकापुर केन्द्रीय जेलों के बंदियों को स्थानीय ब्रह्माकुमारीज केन्द्र के कुशल संचालन से सतत जेलों में कक्षाएं आयोजित कराते हुए इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूं कि 'कोई आदमी पैदाईशी अपराधी नहीं होता। उसके परिवेश और संस्कार के गुण-दोषों का सही मूल्यांकन और मार्गदर्शन समय पर न होने के कारण व्यक्ति ऐसी गलती/अपराध कर बैठता है। जिसका प्रायश्चित वह जीवन भर करता है। ऐसी व्यक्ति को भी क्षणिक-शैतानी आवेश को ईश्वरीय रूहानी-तपस्या से समाप्त किया जा सकता है। आश्रम की सभी बहिनें और भाई नगर-ग्राम में जाकर बारहों महीनें सेवा करते हैं। उनकी निःस्वार्थ सेवा से प्रभावित होकर 'बाबा का प्यारा बेटा' बनना चाहता हूं। समर्पित भाव से साधना/सेवा और सद्-आचरण से समाज में व्याप्त कुरीतियों और बुराईयों को रोका जा सकता है। आज सामाजिक-मूल्यों का तेजी से पतन हो रहा है। पूरा मानव-समाज 'बाजारवाद' के घेरे में है। हर आदमी को पैसा चाहिए। इसके लिए वह किसी भी हद तक गिर रहा है। सोशल मीडिया का सही उपयोग न करने के कारण अधिकतर लोग भावनात्मक संबंध बनाकर रात-दिन तन के सुख में लपेटे हैं। किसी के मन की बात न तो समझते है न ही समझना चाहते हैं। ऐसी विकराल स्थिति में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शक्ति-सरोवर में साधना की डूबकी लगाते हैं तो निश्चित तौर पर अनेक कष्टों से मुक्त हो सकते हैं। जीवन के छठवें दशक में मुझे महसूस हो रहा है कि अगर अध्यात्म और योग-साधना दिनचर्या में सभी लोग शामिल कर लेते हैं तो 'ब्रह्माकुमारीज़' का उद्देश्य और संचालन सफल हो जायेगा। परमपिता शिवबाबा सबको ज्ञान की रौशनी प्रदान करें।

● राजेन्द्र कु. गायकवाड़
केन्द्रीय जेल अधीक्षक, अंबिकापुर, छत्तीसगढ़।

लगाया खुशियों का बिग बाजार

केन्द्रीय जेल अम्बिकापुर में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित कार्यक्रम खुशियों का बिग बाजार लगाया गया। जहां राजयोग मेडिटेशन हीलिंग से करीब 2000 कैदियों के मन को गहराईयों में ले गया और मन रूपी मेमोरी में बचपन से लेकर बड़े होने तक के पूरे दृश्य को विजुलाइज कराया, जिससे कैदियों ने बहुत सुंदर रियलाइजेशन भी किया। अपने गलतियों को भी स्वीकार किये और उसे दोबारा ना करने की प्रतिज्ञा भी किये। कैदियों को अपनेपन की महसूसता कराते हुए बताया कि मन की आंतरिक शक्ति को बढ़ाने की आवश्यकता है क्योंकि हमारी सारी शक्ति हमारे मन के अंदर है। अपराध हम करना नहीं चाहते हैं मन कराता है इसलिए मन को शक्तिशाली बनाना है। प्रैक्टिस करना हैं वर्तमान में जीने का क्योंकि भूतकाल सपना हैं, भविष्य काल कल्पना हैं और वर्तमान ही अपना हैं। इसलिए वर्तमान को श्रेष्ठ बनाना है। हम जो वर्तमान में कर्म कर रहे होते हैं वही हमारे साथ भविष्य में प्रारब्ध बन दुःख और सुख के रूप में सामने आता है।

● बीके शक्तिराज
मोटिवेशनल स्पीकर, माउंट आबू।

दिव्य समर्पण समारोह: गोट्टीगेरे में भव्य स्नेह मिलन आयोजित, मुख्यमंत्री येदियुरप्पा भी हुए शामिल

सौ बेटियों ने दादी के सानिध्य में परमात्मा को चुना अपना जीवनसाथी

समर्पण की शपथ लेतीं समर्पित बहने एवं सभा में उपस्थित वरिष्ठ नागरिक और सभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री येदियुरप्पा।

दीप प्रज्ज्वलन कर दादी जानकी के साथ स्वामी रामदेव एवं अन्य।

शिव आमंत्रण बेंगलुरू। बैंगलुरू के इतिहास में यह स्वर्णिम काल था कि ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी 6 दिवसीय प्रवास पर कई कार्यक्रमों में शरीक हुई। संस्थान के सदस्यों ने परम्परागत रुप से दादी का अभिनन्दन किया। गोट्टीगेरे में दादी जानकी के आगमन पर राजयोग भवन में भव्य स्नेह मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां सभी ने दादी से स्नेह भरी मुलाकात की और नन्हें बच्चों ने सुन्दर प्रस्तुतियों से दादी जानकी का स्वागत किया। वहीं दूसरे दिन के कार्यक्रम में 80 युवा बहनों ने अपना जीवन समर्पित किया, जहां दादी जानकी ने उन्हें सफल जीवन का आशीर्वाद देते हूए कहा, कि जीवन में पवित्रता, सत्यता, धैर्यता, नम्रता, मधुरता याद रखे और जीवन में धारण करे तो सदा ही सफलता मिलती रहेगी। इस अवसर पर मुख्यालय से आए मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके करुणा ने कहा, ब्रह्मा बाबा द्वारा शिव बाबा ने हमे माता पिता और शिक्षक के रूप में पालना दी। उनका और एक रूप है करनकरावनहार।वह जो मार्ग बताते है वह कार्य खुद पूरा करने में मदद भी करते है। कार्यकारी सचिव बीके मृत्युजंय ने अपनी शुभआशाएं व्यक्त की।

ब्रह्माकुमारीज़ संगठन ने बहुत अच्छी प्रगति की: बीएस येदियुरप्पा

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने कर्नाटक में ब्रह्माकुमारियों की ईश्वरीय सेवाओं की सराहना की। उन्होने कहा, कई बाधाओं का सामना करते हुए भी कर्नाटक में संगठन ने बहुत अच्छी प्रगति की है। यह संगठन लोगों में बहुत बड़ा परिवर्तन ला रहा है। उन्होंने दादी हृदय पुष्पा द्वारा प्रदान की गई सेवाओं को याद किया। इस संगठन के लिए दादीजी के बलिदान की उन्होने बहुत प्रशंसा की और कहा, वह लाखों लोगों के जीवन को बदलने के लिए निमित्त बनी। गोट्टीगेरे में ब्रह्माकुमारीज संस्था की प्रमुख 104 वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी की उपस्थिति में आयोजित ईश्वरीय सेवाओं की डायमंड जुबिली और बेंगलुरु ब्रह्माकुमारियों द्वारा आयोजित महिला सशक्तिकरण अभियान के मेगा कार्यक्रमें मुख्यमंत्री बोल रहे थे। मंच पर पहुंचते ही मुख्यमंत्री बी.एस. येदीयुरप्पा ने दादी जानकी से आशीर्वाद लिया और सम्मेलन का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया।

हमारी और सारे भारत वर्ष की आध्यात्मिक मां हैं दादी जानकी: स्वामी रामदेव

संस्था प्रमुख 104 वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी की उपस्थिति में कई कार्यक्रमों का लगातार आयोजन इस प्रदेश में हुआ। गोट्टीगेरे क्षेत्र में संत सम्मेलन एवं दादी जानकी इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन एक्सीलेन्स एण्ड रीसर्च के उद्घाटन कार्यक्रम मे सभा को संबोधित करते हुए बाबा रामदेव ने कहा, दादी जानकी सिर्फ ब्रह्माकुमारीज की स्पिरिच्युअल हेड नही है। वह हमारे देश की भी स्पिरिच्युअल हेड है। उनका पूरा जीवन दिव्यता से भरा हुआ है। वह स्पिरिच्युअल मदर है। आध्यात्मिक मॉ है हमारी और सारे भारत वर्ष की। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से इस महासम्मेलन का रंगारंग आगाज़ हुआ, वहीं यू.एक्स. डिज़ाईनर विनय हेगडे ने कॉस्मिक स्प्लैश का बहुत ही सुन्दर प्रदर्शन देते हुए दादी जानकी का चित्रण सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। दादी जानकी जी के मंच पर पहुंचते ही उपस्थित सभी धर्मगुरुओं ने दादी का सहृदय स्वागत किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं को बताए राजयोग के फायदे

शिव आमंत्रण भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर सेवाकेन्द्र पर अग्रसैन कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं के लिए एक दिवसीय राजयोग शिविर का आयोजन किया गया। छात्राओं को राजयोग शिक्षिका बीके गीता ने आध्यात्मिक प्रदर्शनी का अवलोकन कराते हुए स्वयं की तथा परमात्मा की सत्य पहचान कराई और राजयोग मेडिटेशन से होने वाले लाभों के बारे में बताया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक जगन प्रसाद ने कहा, हम राजयोग में एकाग्रता करते है और प्राप्तियों का अनुभव होता है तो और ही उसका जादा तर लाभ लेने की, आगे बढ़ने की इच्छा होती है। मौके पर सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके कविता एवं बीके संतोष ने छात्राओं द्वारा पूछे गए कई सवालों के जवाब दिए। महिला सशक्तिकरण विषय पर आयोजित इस कार्य में छात्राओं के साथ उपस्थित वरिष्ठ शिक्षिका सीमा तथा लक्ष्मी ने भी अपने सुन्दर अनुभव साझा किए।

छात्राओं के साथ बीके सदस्य, प्रधानाध्यापक जगन प्रसाद एवम् अन्य

ब्रह्माकुमारीज की सेवा है समाज के लिए अनमोल: श्याम पोखरेल

सभा को संबोधित करते नेत्र ज्योति संघ उपाध्यक्ष श्याम पोखरेल।

शिव आमंत्रण बीरगंज। नेपाल सरकार द्वारा घोषित पांचवे राष्ट्रीय योग दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन बीरगंज सेवाकेंद्र द्वारा किया गया। इस मौके पर नेत्र ज्योति संघ के उपाध्यक्ष तथा नेपाल रेडक्रॉस सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष श्याम पोखरेल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने कहा, कि राजयोग के अभ्यास से मैने कई लोगों के जीवन में बहुत ही सकारात्मक बदलाव आते हुए देखा है। ब्रह्माकुमारी संस्था मानव को सद्विवेक के नेत्र प्रदान करने की पवित्र और महान सेवा में अग्रसर है। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रविना, डॉ. संयुक्त शाह समेत अनेक अतिथियों ने भी अपने विचार रखे ।

प्रतिज्ञा विश्व शांति महासम्मेलन में कराई शांति की प्रतिज्ञा

हमारी आंतरिक शांति से ही संसार में आएगी शांति

शिव आमंत्रण फरीदाबाद। एन.आई.टी फरीदाबाद में सेवाकेन्द्र द्वारा विश्व शांति महासम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया, जहां शहर की 25 संस्थाओं ने भाग लिया। संसार में बढ़ते अशांति के वातावरण को देखते हुए इस कार्यक्रम की थीम रखी थी 'आई प्लेज फॉर पीस'। इसमें इन सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने समाज में शांति का वातावरण कैसे स्थापित हो इस पर अपने मूल्यवान विचार साझा किए। दिल्ली से आई राजयोग शिक्षिका बीके सरोज ने कहा, कि जब तक आंतरिक शांति नहीं होगी तब तक संसार में शांति स्थापन करना असम्भव है ।

इस अवसर पर डी.एल.एफ. के अध्यक्ष जे.पी. मल्होत्रा, रोटरी क्लब मिडटाउन के अध्यक्ष जे.पी. सिंह मक्कड़, डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन की एडवोकेट वंदना सिंह, डिस्ट्रिक्ट टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप सेठी, रोटरी क्लब फरीदाबाद मिडटाउन के प्रेज़िडेंट विवेक सूद, सेफ एण्ड सिक्योर हरियाणा के डिस्ट्रिक्ट जनरल सेक्रेटरी अनुशीत द्विवेदी, ऊंचा गांव मस्जिद के मौलाना जमालुद्दीन, एक्टिवा होंडा शोरुम के अध्यक्ष संजय बजाज समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने कहा, कि ब्रह्माकुमारीज की मुहीम बहुत सराहनीय है। हम सभी को एक जुट होकर शांति स्थापन करने का प्रयास करना होगा ।

इस कार्यक्रम में मैडिटेशन के माध्यम से संसार को, प्रकृति को, दुखी अशांत आत्मायों को एवं देश के वीर शहीदों को शांति के वाइब्रेशंस दिए गए।

मौके पर सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को शांति के लिए प्रतिबध्द किया गया।

सभी संस्था के प्रतिनिधियों से शांति की प्रतिज्ञा कराती बीके बहने।

यातायात सुरक्षा नियम का दिया संदेश

सड़क सुरक्षा सप्ताह का संदेश देते बीके भाई-बहनें।

शिव आमंत्रण मुंबई। आर.टी.ओ. द्वारा सेफ्टी सुरक्षा के तहत मलाड चेकपोस्ट पर यातायात सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ को आमंत्रित किया गया जिसमें सुरक्षा नियमों का संदेश दिया गया। ब्रह्माकुमारीज़ समेत अन्य कई एन.जी.ओ, रोटरी क्लब, लायन्स क्लब का भी मुख्य प्रतिनिधित्व रहा। इस अवसर पर संस्था के परिवहन प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके कुन्ति, मलाड वॉकथॉन ऑर्गेनाइज़ेर डॉ. सिद्धार्थ हरितवाल, लायन्स क्लब के प्रेज़िडेन्ट राजू सहानी, रोटरी क्लब के अध्यक्ष कुसुम बियान, ट्रैफिक इन्स्पेक्टर समेत विशिष्ट जन मौजूद रहे।

सार सामाचार

अमित शाह से ईश्वरीय सेवाओं पर चर्चा

ईश्वरीय सौगात स्वीकारते भारत के गृहमंत्री अमित शाह।

शिव आमंत्रण नई दिल्ली। भारत के गृहमंत्री अमित शाह ब्रह्माकुमारीज़ के लाजपत नगर सेवाकेन्द्र पहुंचे, जहां सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके चंद्रा ने उनका स्वागत किया। अपनी चुनावी रैली के दौरान वे बहनों से मुलाकात करने आये थे। सेवाकेन्द्र पहुंचने पर सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके चन्द्रा ने उनका स्वागत करते हुए संस्था की गतिविधियों से उनको अवगत कराया तथा परमात्म संदेश दिया। वे थोड़ी देर तक सेवाकेन्द्र पर रुके रहे तथा कुशलक्षेम पूछी।

विश्व भ्रातृत्व शोभायात्रा में दिया संदेश

शोभा यात्रा में निकाली गई चैतन्य झांकी का दृश्य।

शिव आमंत्रण कोलकाता। भबा पागला चैरिटेबल ट्रस्ट के मुख्य कर्ता-धर्ता आचार्य डॉक्टर गोपाल खेत्री के उद्योग से विश्व भ्रातृत्व शोभा यात्रा का आयोजन किया गया, जो स्वामी विवेकानंद के घर के सामने से शुरू होकर आद्यापीठ पीठ मंदिर में समाप्त हुआ। शोभायात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की बारानगर शाखा से सुसज्जित टेबलो शामिल हुआ। बारानगर शाखा की मुख्य प्रभारी बीके किरण तथा बीके पिंकी उपस्थित थे। इस विषय में कुमारी किरण ने कहा, आज के इस शोभायात्रा में जैसे हम सभी हर धर्म और मजहब को भूल हाथ में हाथ मिला कर चल रहे थे, ऐसे ही अगर मन से भी हम जातिभेद को भूलकर एक साथ होकर चले तो सभी मिलकर आज की दुनिया के विकराल परिस्थिति में भी शांति स्थापन कर सकते हैं।

यौगिक और जैविक खेती से कम लागत पर कमा रहे अधिक मुनाफा

खेत में बीके मधु, बीके सुनैना, बीके रानू, बीके गजानंद।

शिव आमंत्रण रायगढ़। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय रायगढ़ छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वधान में योगिक और जैविक खेती कि गई जिसमें कम लागत पर अधिक मुनाफा के लिए राजयोग मेडिटेशन से एक सफल प्रयास रहा। बीके चित्रा, बीके राधिका, बीके मधु, बीके नरेंद्र, बीके चंद्रिका व भ्रमण पर आई रायपुर से बीके ममता व सरिया उप सेवा केंद्र से बीके सुनैना बहन, बीके रानू, बीके पुष्पा, बीके गजानंद ने भी आधे घंटे योग का दान मिश्रित फसलों को दिया।

तनावमुक्ति मुहिम में जवानों को कराई शांति की गहन अनुभूति...

तनावमुक्ति के लिए जवानों ने सीखा राजयोग

राजयोग मेडिटेशन के बारे में जवानों को संबोधित करती बीके प्राची एंव उपस्थित जवान।

शिव आमंत्रण भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई में सीमा सुरक्षा के जवानों का ट्रेनिंग कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर दिशा भवन के पीस ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। जिसमें राजयोग शिक्षिका बीके प्राची ने सभी जवानों व अधिकारियों को सकारात्मक सोच एवं राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताकर राजयोग मेडीटेशन द्वारा सभी को शान्ति की गहन अनुभूति कराई। इस दौरान भिलाई सेवाकेन्द्रों की निदेशिका बीके आशा ने बी.एस.एफ. हेडक्वार्टर के आई.जी.-जे.एस.एन.डी. प्रसाद का स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित जवानों समेत पी.एस.ओ. प्रदीप कत्याल, सेकेण्ड कमांडेंट जी.एस. भट्ट, कमांडेंट अजय लूथरा भी शामिल रहे।

मंसा, वाचा, कर्मणा किसी को दुख न देना इसे कहते हैं अहिंसा: डॉ. सचिन परब

धर्म सम्मेलन में डॉ. सचीन परब का समान करते सिख धर्मगुरु।

शिव आमंत्रण भटिंडा। पंजाब के भटिंडा में आयोजित सर्व धर्म सम्मेलन में सभी धर्मों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस सम्मेलन में सबसे खास बात यह रही कि हिंदू धर्म की ओर से माउंट आबू से आए बीके डॉ. सचिन ने अपना वक्तव्य रखा और विभिन्न दृष्टांतों के माध्यम से विश्व बंधुत्व के साथ ही परमात्म स्नेह और शक्ति की अनुभूति जैसे अनेक विषयों पर चर्चा की। उन्होने कहा, अहिंसा का मतलब केवल हिंसा न करना इतना ही नही होता। अहिंसा का मतलब मन्सा, वाचा, कर्मणा किसी को भी दुखन देना इसको अहिंसा कहते है। किसी को भी किसी भी प्रकार कांटा न चुभाना। कोई मेरे सामने जा रहा है और मेरे मन में उसके प्रति जलसी है तो मै उससे जलसी नही कर रहा हूं, मै उसकी सफलता से जलसी कर रहा हूं। तो सफलता मेरे पास नही आयेगी। राजयोग मे यह सब बाते आती है और राजयोग ही वैश्विक शांति लाने का आधार है, जीवन को दिव्य और श्रेष्ठ बनाने का मार्ग है। बीके डॉ. सचिन ने सभी को राजयोग का सुंदर अभ्यास कराया। यह सम्मेलन गोनेयाना मंडी के टिकाना भाई जागता जी साहिब गुरूद्वारे में आयोजित किया गया था जिसमें मुस्लिम धर्म से मौलाना मोहम्मद उस्मान लुधियानवी, सिक्ख धर्म से डॉ सुखप्रीत सिंह, सरदार वीर परमपाल सिंह समेत अनेक धर्मों के लोगों ने सभा को संबोधित किया।

उद्घाटन

आध्यात्मिक मेडिटेशन तपस्या धाम का उद्घाटन समारोह...

आध्यात्मिक उत्थान और सिद्धांतों से होगा बेहतर समाज का निर्माण: मुख्यमंत्री विप्लव देव

> प्रतियोगिता एक आवश्यक चीज है लेकिन इसमें किसी प्रकार की ईर्ष्या नहीं होनी चाहिए।

शिव आमंत्रण अगरतला। त्रिपुरा के अगरतला स्थित अरलिया में स्थानीय सेवाकेंद्र के परिसर में बने नवनिर्मित तपस्या धाम का उद्घाटन करने खुद त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लव कुमार देव पहुंचे। इस अवसर पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कबिता ने उनका स्वागत सत्कार किया जिसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने मेडिटेशन कक्ष का रिबन काटकर उद्घाटन किया । साथ ही कुछ क्षण परमात्म याद में व्यतीत किए। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब ने कहा, कि आज का युवा नशे और भौतिकवाद की ओर जा रहा है। आध्यात्मिक

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लव कुमार देव।

उत्थान और सिद्धांतों के माध्यम से अनुशासन एक बेहतर समाज के निर्माण में मदद करता है। प्रतियोगिता एक आवश्यक चीज है लेकिन इसमें किसी प्रकार की ईर्ष्या नहीं होनी चाहिए। ब्रह्माकुमारियां परमात्मा के साथ जुड़ने के लिए योग की कला नशा एवम् भौतिकतावाद की तरफ जा रहा युवा वर्ग और समाज को सिखाकर सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। इससे युवा वर्ग का सुनहरा भविष्य सुनिश्चित हो रहा है। इस अवसर पर आईएएस सचिव किरण कृति, जल संसाधन अधीक्षक अभियंता निरोध शर्मा और विभिन्न क्षेत्रों से आए हजारों लोग इस कार्यक्रम का हिस्सा बने।

बीके शिवानी ने संबलपुर में आयोजित कार्यक्रम में कहा-

सुविधाओं से नहीं बल्कि घर के सकारात्मक वातावरण से मिलेगा प्रेम, सुख और शांति

कार्यक्रम में लोगों का अभिवादन करती बीके शिवानी एवं बड़ी संख्या में उपस्थित जनसैलाब।

शिव आमंत्रण संबलपुर। मन में उत्साह, उल्लास, उमंग यह सब खुशी की ही तरंगें है। खुशी बुझे हुए चेहरों पर रौनक और सुख की चमक लाने का काम करती है। खुशी की सच्ची परिभाषा से सभी को रूबरू कराने के लिए ओडिशा के संबलपुर स्थित आनंद विहार ग्राउंड में ब्रह्माकुमारीज द्वारा विशेष पब्लिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सबजोन प्रभारी बीके पार्वती के निर्देशन में हुए इस आयोजन में 'गिफ्ट ऑफ हैप्पीनेस' विषय पर वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके शिवानी ने संबोधित किया। बीके शिवानी ने कहा, घर में सबको आराम दिया लेकिन घर में सबको सुकुन कैसे मिलेगा, घर में सबको सुविधायें दी लेकिन घर में सबको सुख कैसे मिलेगा? वह घर के वातावरण से बनता है। चीजों से और पैसों से नही बनता है। घर को आराम दिया अब घर की एनर्जी को बढ़ाना है। घर की एनर्जी को बढ़ायेंगे तो बच्चे एग्जाम में पास भी होंगे और अच्छे मार्क्स भी लेंगे। यह नया साल जीवन खुशियों से भरने की सौगात लेके आया है। 2020 अर्थात अपने अंदर जो आसुरी संस्कार है, विषतुल्य संस्कार है उनको त्याग करने का, श्रेष्ठ संकल्प लेने का समय है। पुराने विषतुल्य संस्कारों को त्याग करेंगे तो अपने अंदर खुशियां जागृत होगी। आत्मा की आनंद, सच्चा प्रेम, सुख आदी जो खोई हुई चीजे है वह पुनः प्राप्त होगी। इस अवसर पर महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के चेयरमैन भोलानाथ शुक्ला, टेक्निकल डायरेक्टर ओ पी सिंह, फाइनेंस डायरेक्टर केआर वासुदेवन समेत कम्पनी के अन्य अधिकारी भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आगाज दीप प्रज्वलन से हुआ जिसके पश्चात बच्चों ने सुन्दर नृत्य द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार किया।

राजयोग युवाओं में एक नई ऊर्जा भरता है

कार्यक्रम में संबोधित करते हुए बीके लाजवंती।

शिव आमंत्रण भांडुप वेस्ट/मुंबई। युवाओं के लिए 'प्रज्ज्वलित मन' विषय पर कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए भांडुप सेवाकेंद्र संचालिका बीके लाजवंती ने युवाओं को स्वयं में सकारात्मक बदलाव लाने पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा, कि राजयोग ही युवाओं में नई ऊर्जा और नई सोच का निर्माण कर सकती है। इसके लिए वे ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र पर आकर राजयोग सीखें। इस अवसर पर बीके रामाकृष्ण, पत्रकार प्रमोद कांदलकर एवं डॉ. राम शिंदे व अन्य लोग उपस्थित थे।

श्योरपुर पहुंचा स्वर्णिम भारत अभियान

कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते अतिथि।

शिव आमंत्रण श्योरपुर/मप्र। मेरा भारत स्वर्णिम भारत बस प्रर्दशनी अभियान के अंतर्गत श्योरपुर सेवाकेन्द्र पर बीके अविनाश, बीके आशा, बीके तारा, जेलर विजय सिंह अपने शुभ हाथों से कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। जिसमें बीके अविनाश ने कहा, ये बस पूरे भारत में जन-जन को परमात्मा का संदेश देने के लिए है। इसमें व्यसन मुक्ति और अन्य सामाजिक बुराईयों की मुक्ति का चित्र है। इसका सभी लाभ ले सकते हैं।

अभियान बेटा बचाओ अभियान, एक नई पहल का आगाज...

ब्रह्माकुमारीज़ मेडिकल प्रभाग का नया अभियान 'बेटा बचाओ' एक नई पहल

बेटा बचाओ अभियान का प्रचार करते स्कूल के छात्र-छात्रा।

शिव आमंत्रण उधमपुर। जम्मू कश्मीर के उधमपुर में संस्था के मेडिकल प्रभाग और स्थानीय सेवाकेंद्र द्वारा पूरे उधमपुर में व्यसनमुक्ति अभियान के अंतर्गत बेटा बचाओ अभियान चलाया गया। जिसके द्वारा हॉस्पिटल, स्कूल, एन.एस.एस ट्रेनिंग सेंटर, बीएड कॉलेज, ज़ेल, रेल्वे स्टेशन समेत कई स्थानों पर लोगों में व्यसनों के दुष्प्रभावों और युवाओं को इससे बचने के प्रति जागरूकता फैलायी गयी। इस पूरे अभियान के दौरान उधमपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके ममता, बीके श्यामलाल, बीके किशोर, बीके बृजमोहन ने पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के राज्यमंत्री जितेन्द्र सिंह, नगर निगम के चेयरमेन डॉ. जोगेश्वर गुप्ता, डीआईजी सुलेमान खान, आर.टी.ओ रचना शर्मा, एस.एस.पी राजीव पांडे, कमांडेंट हिरेन्द्र कुमार, ज़ेल सुप्रिटेन्डेंट हरीश कोतवाल, सरकारी अस्पताल के सुप्रिटेन्डेंट विजय कुमार समेत कई प्रशासन अधिकारीयों, व्यापारियों से भी मुलाकात की और अभियान द्वारा की जा रही सामाजिक सेवाओं की जानकारी दी।

स्वस्थ व्यक्ति को भी साल में एक बार हेल्थ चेकअप कराना जरूरी: डॉ. अनुज

मरीजों की स्वास्थ्य की जांच करते डॉक्टर।

शिव आमंत्रण बिलासपुर। हार्ट की समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। बहुत बार तो इस तरफ ध्यान ही नही दिया जाता। लेकिन जब तक हम रूटिन चेकअप नहीं कराते, हमें हमारे अंदर के रोगों का पता नहीं चल पाता। मेट्रो सिटीज के नए गाइडलाइन्स के अनुसार 35 से 40 वर्ष की उम्र के बाद वार्षिक हेल्थ चेकअप कराना जरूरी है। ब्लडप्रेशर, शुगर, ईसीजी, इको, रूटिन ब्लडटेस्ट ये सब साल में एक बार होना ही चाहिए। हम कुछ होने का इंतजार करते रहते हैं और अचानक कभी कोई बडी समस्या सामने आ जाती है।

> खानपान वा अनियमित दिनचर्या है अस्वस्थता का एक अहम कारण

कई बार अच्छा स्वस्थ दिखने वाले नवयुवक व्यक्ति को हार्ट अटैक आ जाता है। यह सब अचानक नहीं होता, हम सोचते हैं कि 40-50 वर्षों से हमने कोई दवा नहीं ली है तो हमें चिकित्सक के सलाह की जरूरत नहीं। लेकिन यह एक तरह का ओवर कॉन्फिडेन्स है जो हमें समस्या में डाल सकता है। इसलिए स्वस्थ व्यक्ति को भी वार्षिक हेल्थ चेकअप जरूरी है।

अपोलो हॉस्पिटल के कॉर्डियोलॉजिस्ट व कार्डियो थोरेसिक एवं वस्क्युलर सर्जन डॉ. अनुज कुमार ने उपरोक्त सावधानी दी। छत्तीसगढ मे बिलासपुर के टिकरापारा सेवाकेन्द्र पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में का आयोजन हुआ।

इस दौरान अन्य मौजूद सर्जन में एडवांस लेप्रोस्कोपिक सर्जन व उदररोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण गोयन्का ने खानपान वा अनियमित दिनचर्या को अस्वस्थता का एक अहम कारण बताया और मरीज़ों की जांच की। शिविर में सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके मंजू की विशेष मौजूदगी रही।

सार समाचार

विद्यालय में दिया परमात्म संदेश

शिव आमंत्रण बीबीगंज/फरुर्खाबाद। श्री चन्द्रप्रकाश विद्या निकेतन (सीपीवीएन) के कायमगंज के विद्यालय में परमात्म संदेश देने के पश्चात् बीके मंजू बहन, डॉ. श्रीमती मिथलेश अग्रवाल (डायरेक्टर सीपीवीएन), भ्रता बीके भारत भूषण, भ्राता योगेश तिवारी, प्रधानाचार्य एवं विद्यालय के अन्य शिक्षकगण।

बच्चों का सर्वांगीण विकास जरूरी है

शिव आमंत्रण ग्वालियर। किड्डस कार्नर स्कूल गोविन्दपुरी में स्वर्णिम बस अभियान (युथ विंग) के अन्तर्गत आयोजित प्रोग्राम में मंच से अभियान की मेनेजर बीके शोभा ने अभियान की जानकारी दी। उन्होंने सभी स्कूल के बच्चों को राजयोग के बारे में बताते हुए सभी को आत्मा और परमात्मा का परिचय दिया। इस मौके पर स्कूल डायरेक्टर वरूण गर्ग, प्रिन्सीपल बिन्दल मेडम, बीके चेतना एवं अन्य मौजूद थे।

पुलिस प्रशासन ने जाना राजयोग का लाभ

शिव आमंत्रण चडीगढ़। ब्रह्माकुमारीज द्वारा निःशुल्क 7 दिवसीय राजयोग शिविर का आयोजन सेक्टर 13 पोलिस स्टेशन में रखा गया। जिसमें बीके राजेश बहन ने सभी पुलिस अधिकारीयों को आत्मा, परमात्मा, सृष्टि चक्र, कल्प वृक्ष, तीन लोक, मनुष्य जीवन का लक्ष्य और उद्देश्य आदि का अद्भुत ज्ञान प्रदान किया। सभी अधिकारीयों ने इस दिव्य ज्ञान का श्रवण किया और राजयोग के द्वारा आत्म अनुभूति प्राप्त की। इस आयोजन में कुल 45 पोलिस ऑफिसर्स उपस्थित थे।

मेरा देश,मेरी शान पर कार्यक्रम

शिव आमंत्रण नरसिंहपुर। ब्रह्माकुमारीज नरसिंहपुर में मेरा देश मेरी शान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुम्बई से पधारी बीके प्रशान्ति ने कहा, कि हमारा देश 5000 वर्ष पूर्व सोने की चिड़िया था और आज इस धरा पर पुनः परमात्मा का अवतरण हो चुका है। परमात्मा इस धरा को फिर से स्वर्ग बना रहे है। बीके कुसुम ने कहा, कि हमारे देश में वन्दे मातरम् गाया जाता है। माताओं और बहनों ने ही स्वर्ग का द्वार खोला है। इस कार्यक्रम में जिला जज राजेन्द्र कुमार नागपुरे, एडीजे दिनेश देवदा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे।

हमारा लक्ष्य है : भारत ही नहीं पूरी दुनिया स्थूल के साथ सूक्ष्म कचरे से मुक्त बने...

प्लास्टिक फ्री इंडिया जागरूकता अभियान

प्लास्टिक रूपी कचरा का नष्ट होना बहुत ज़रूरी है; सरकार, समाज, उद्योगों और हम सबको मिलजुल कर कार्य को वेस्ट से वेल्थ बनाना होगा।

प्लास्टिक वेस्ट फ्री इंडिया जागरूकता संकल्प लेते अतिथि तथा मशीन का उद्घाटन।

शिव आमंत्रण आबू रोड। स्वच्छ भारत मिशन में एक कदम आगे बढ़ाते हुए पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति में ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन में आरवीएम मशीन स्थापित की गयी। जिसमें अनुपयोगी प्लास्टिक की बोतल को क्रश कर उसे उपयोग में लाया जा सकेगा। मशीन का उद्घाटन करने पहुंचे दीन दयाल उपाध्याय स्मृति मंच के संस्थापक मधु शर्मा ने कहा कि इससे देश में बढ़ते प्लास्टिक के दुष्प्रभाव को रोका तो जा ही सकेगा साथ ही वेस्ट को बेस्ट बनाया जा सकता है।

उन्होनें कहा, कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान स्वच्छता के लिए काफी सजग है और लोगों को तन के साथ मन को स्वच्छ रखने की कला सिखायी जाती है। हम लोग सन् 1995 से ही इस अभियान में लगे है अब धीरे धीरे हम उस

दिशा में काफी आगे बढ़ रहे है। आबू रोड नगरपालिका अध्यक्ष सुरेश सिंदल ने कहा कि प्लास्टिक से मुक्ति के साथ हमें निगेटिवीटी से भी मुक्त होना है।

ब्रह्माकुमारीज संस्था पूरे विश्व में यह कार्य कर रही है। हमें इसका सहयोग करना चाहिए। इस अवसर पर मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके करूणा ने कहा, इस पुनीत कार्य को पूरे विश्व तक पहुंचाने का कार्य ब्रह्माकुमारीज संस्थान करेगा।

बेटी बचाओ, सशक्त बनाओ जागरूकता के साथ किसान सशक्तिकरण भी जरूरी है: राजदीप

शिव आमंत्रण कादमा। कादमा के तिवाला में ब्रह्माकुमारीज व किसान क्लब, तिवाला द्वारा 'बेटी बचाओ सशक्त बनाओ' कार्यक्रम में विधायक एवं हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड के चेयरमैन सोमवीर सांगवान ने कहा, कि बेटी बचाओ, सशक्त बनाओ के साथ किसान सशक्तिकरण समय की मांग है।

दादरी के विधायक श्री. राजदीप ने कहा, कि मैंने विधानसभा में मैने पहले संबोधन में बेटी बचाओ पर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुझे खुशी है कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के साथ मिलकर ग्रामीण विकास परिषद और तिवाला के किसान क्लब ने एक सार्थक पहल की है। विधायक ने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनों की त्याग, तपस्या और निःस्वार्थ भाव की सेवा से अवश्य ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। उन्होंने कहा, कि महिलाओं को आध्यात्मिक मूल्यों से आंतरिक और बाह्य रूप से सशक्त करने का अनूठा संगठन है ब्रह्माकुमारी संस्थान। कार्यक्रम मे माउंट आबू से पधारी राजयोगिनी बीके उर्मिला ने इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि प्राचीन काल से ही हमारे समाज में महिला को दोयम दर्जे का स्थान दिया गया है। बल्कि वास्तविक यह है कि नारी ही सृष्टि की रचनाकार है इस धरती पर पैदा हुआ कोई भी महापुरुष

सभा को संबोधित करते हुए विधायक श्री. राजदीप एवं अन्य।

या समाज सुधारक नारी की देन है। अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बीके उर्मिला ने कहा, कि कैसी विचित्र विडंबना है की एक सक्षम और योग्य बेटी की अपेक्षा हम नालायक बेटों को प्यार और प्राथमिकता देते हैं। मां को केवल आध्यात्मिक ज्ञान देने से यह संभव हो पाएगा। इस मौके पर झोझूकलां-कादमा क्षेत्र प्रभारी बीके वसुधा ने कहा कि मां अपने को अध्यात्म से सशक्त बना अपनी बेटी को सशक्त बना सकती हैं इसलिए जीवन में मूल्यों को महत्व देने की जरूरत है।

योगदान

मीडिया सेमिनार का आयोजन...

स्वर्णिम समाज के निर्माण में मीडिया का बड़ा योगदान

अपने विचारों को सकारात्मक बना कर मन को शक्तिशाली बना सकते हैं। दृढ़ कर लें तो देश को स्वर्णिमता की ओर पहुंचाया जा सकता है।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी मीडियाकर्मी एवं अन्य।

शिव आमंत्रण अंबिकापुर/छग। एक अच्छा समाज बनाने के लिए अब समाचारों को बदलने की जरूरत है। समाचार ऐसे हो जो प्रेरणा दे और लोगों में छिपी हुई अच्छी सकारात्मक मूल्ययुक्त धारणा को विकसित करने में मदद करे। ऐसे प्रेरणादायी समाचार लोगों को अच्छे कार्य की ओर प्रवृत्त करेंगे जिसमें समाचार एक माध्यम है। ऐसा करने में पत्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उक्त विचार इंदौर से आये वरिष्ठ पत्रकार प्रो. कमल दीक्षित ने अम्बिकापुर में आयोजित स्वर्णिम समाज विकास में मीडिया की भूमिका कार्यक्रम में कहा। उन्होंने बताया, कि किसी भी घटना की पूरी जानकारी पत्रकार ही देता है और उसका नजरिया उस समाचार को आकार देता है। वास्तव में वो चाहे तो अपने नजरिये से उस घटना को एक सकारात्मक दिशा भी दे सकता है। यह पत्रकार की संवेदनशीलता पर निर्भर करता है। उन्होंने इस बात को विभिन्न उदाहरण के माध्यम से बताया कि कई सारी ऐसी भी खबरे आती है जो नकारात्मक होती है पर एक संवेदनशील पत्रकार उसको एक सकारात्मक दिशा देकर उस समाचार को न्याय देता है।

उन्होने बताया कि सोशल मीडिया समाज को दिशा अच्छी दिशा दे सकता है लेकिन उसका गलत इस्तेमाल होने के कारण या उसको दिशा देनेवाला कोई न होने के कारण समाज को उसका सही लाभ नही मिल पा रहा है।

युवा सशक्तिकरण अभियान में केंद्रीय मंत्री के व्यक्त विचार ...

महान कार्य का आधार है श्रेष्ठ चरित्र की शक्ति

'डिज़ाइन योर डेस्टिनी' का उद्घाटन करते मंत्री प्रतापचंद्र सारंगी एवं परिवार कल्याण मंत्री अश्विनी कुमार चौबे तथा अन्य अतिथि।

शिव आमंत्रण दिल्ली। राजधानी दिल्ली में ब्रह्माकुमारीज़ के युवा प्रभाग द्वारा 13 दिवसीय युवा सशक्तिकरण अभियान 'डिज़ाईन योर डेस्टिनी' का सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम से शुभारम्भ हुआ। इस अभियान की लांचिंग पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन केन्द्रीय राज्यमंत्री प्रताप चंद्र सारंगी तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अश्विनी कुमार चौबे के कर कमलों से हुई। अभियान की लांचिंग पर मंत्री प्रताप चन्द्र सारंगी ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर बल दिया। उन्होने स्वामी विवेकानंद का उदाहरण दिया और कहा, अमरिका मे भूखे पेट जाकर जेब में पैसा न होते हुए भी भारत का नाम उन्होने ऊंचा किया। ये सब श्रेष्ठ चरित्र का निर्माण है। वह शक्ति युवाओं के पास है। उन्होंने कहा, कि जीवन में विभिन्न लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ध्यान, कड़ी मेहनत और दिव्य ऊर्जा महत्वपूर्ण है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा, कि आज के युवाओं को स्वामी विवेकानंद के 'वासुदेव कुटुम्बकम' के संदेश का प्रसार करना चाहिए। पेशेवर युवाओं के कई लक्ष्य होते हैं, लेकिन सर्वोच्च लक्ष्य मानवीय होना चाहिए। राष्ट्र की शक्ति युवा शक्ति में निहित है और भारत को उसकी आवश्यकता है जो विभिन्न प्रकार की लत से मुक्त हो। आयुष मंत्रालय ने मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए विशेष प्रावधान के साथ विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में अपने केंद्र शुरू किए हैं उसका भी जरूरतमंद लाभ लें।

'डिज़ाईन योर डेस्टिनी' पर आधारित इस 13 दिवसीय अभियान के अन्तर्गत.. कई सरकारी और निजी युवा संगठनों, युवा समूहों और शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है, जिसके तहत तनावमुक्त जीवन, डिजिटल डिटॉक्स, टीम भावना, समय प्रबंधन, नेतृत्व कौशल और अन्य कई विषयों पर युवाओं को प्रेरित किया जाएगा।

मन को स्वस्थ रखो तो मिलेगी खेलों में सफलता: बीके सुदेश

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि।

शिव आमंत्रण असंध। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश से हरियाणा के असंध में खेल प्रभाग की ओर से आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का विषय रहा खेलों में सफलता का आधार-'सशक्त मन'। इस अवसर मुख्य वक्ता के रूप में आई गुरुग्राम में पालम विहार सेवाकेंद्र से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके सुदेश ने खिलाड़ियों को खेल में सफलता के लिए मन को स्वस्थ बनाने के उपाय बताए। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों में उपस्थित पूर्व विधायक बख्शीश सिंह विर्क ने कहा, कि खेलो में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। बीके उषा ने भी खेल का महत्व स्पष्ट किया।

भास्कर ग्रुप के कार्यक्रम में रजा मुराद को दिया ईश्वरीय संदेश

अभिनेता रजा मुराद को ईश्वरीय सौगात भेंट करती बीके बहनें।

शिव आमंत्रण छतरपुर। मध्यप्रदेश के छतरपुर में दैनिक भास्कर ग्रुप द्वारा आयोजित 'माय छतरपुर ग्रीन छतरपुर' अभियान में ब्रह्माकुमारीज़ ने भी सहभागिता की। इस उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में राजयोग शिक्षिका बीके कल्पना एवं बीके भारती ने मुख्य अतिथि बॉलीवुड फिल्म अभिनेता रजा मुराद एवं वरिष्ठ समाज सेवी डॉ. देवनाथ साहू को ईश्वरीय संदेश देकर ईश्वरीय सौगात भेंट की।

स्नेह मिलन कार्यक्रम में करीब 50 पार्षदों ने लिया भाग

नवनिर्वाचित महापौर और पार्षदों का किया सम्मान

स्नेह मिलन कार्यक्रम में सभी उपस्थित पार्षद, महापौर एवं विधायक।

शिव आमंत्रण दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में आनंद सरोवर सेवाकेंद्र पर नगर के नवनिर्वाचित महापौर एवं पार्षदों का सम्मान करने के लिए स्नेह मिलन कार्यक्रम रखा गया। इस मौके पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रीटा ने अतिथियों में विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल, सभापति राजेश यादव समेत करीबन 50 पार्षदों का शॉल एवं तिलक से स्वागत किया। कार्यक्रम में राजयोग शिक्षिका बीके रुपाली ने संबोधित किया साथ ही संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं की जानकारी भी दी।

अलविदा डायबिटीज

[बीके डॉ. श्रीमंत कुमार]

ग्लोबल हॉस्पिटल, माउंट आबू

पिछले अंक से क्रमशः

डायबिटीज का संपूर्ण उपचार

संतुलित भोजन वा BALANCED DIET किसे कहा जाता है?

A यदि हमारे भोजन में शरीर को आवश्यक सभी चीजें (तत्व) मिल रही है तो इसे हम BALANCED DIET कहा जाता है और सभी जितनी मात्रा में चाहिए उतनी होनी भी चाहिए। उदाहरण के रूप में हमें शक्ति प्रदान करने के लिए हमारे भोजन में कुछ चीजें शामिल है जैसे की अनाज, दालें, दूध, दही, घी वा तेल आदि आदि। जिसे मेडिकल भाषा में MACRO NUTRIENTS (VITAMINES) और कुछ खनिज चीजे (MINERALS) में भी हमारे भोजन से हमें मिलना चाहिए जैसे की नमक, कैलिश्यम, आईरन आदि। परन्तु इनकी मात्रा बहुत कम चाहिए। इसलिए इन्हें MACRO NUTRIENTS भी कहा जाता है। हमें नियमित आवश्यक मात्रा में पानी पीना चाहिए। अर्थात् नियमित भोजन में अगर हमें शरीर की सभी आवश्यक तत्व उचित मात्रा में मिल रही है तो हम उसे संतुलित आहार कह सकते है।

B संतुलित आहार का यही अर्थ भी है कि हमारे भोजन में उचित मात्रा में CALORIES ऊर्जा भी हमें प्राप्त हो। सारे दिन में हरेक व्यक्ति की जीवनशैली के अनुसार भिन्न भिन्न CALORIES की आवश्यकता होती है। जैसे की एक अवसर प्राप्त व्यक्ति RETIRED के लिए कम ऊर्जा की आवश्यकता है। परन्तु एक वयस्क व्यक्ति जो सारा दिन मजदूरी करता है उसे अधिक मात्रा में CALORIES चाहिए। हमारे शरीर को चलाने के लिए सारे दिन में जितनी CALORIES की आवश्यकता है, उतनी ही अगर हमें भोजन से प्राप्त हो रही है तो उसे संतुलित आहार कहा जाता है। अधिक कैलोरीज की वजह से मोटापा शिकार हो जाते है। कम सेवन से शारीरिक वजन (UNDER WIGHT) कम हो जाता है।

C संतुलित आहार का यही अर्थ है की हमें सारे दिन में उतना बार खाना चाहिए जिससे हमारा स्वास्थ्य ठीक रहे। कुछ व्यक्ति दिन में एक ही बार, कई दो बार और कई तो सारे दिन खाते ही रहते है। एक साधारण व्यक्ति को वास्तव में 3 बार करना ही है जैसे BREAKFAST (स्वल्पाहार), LUNCH (मध्यान्ह भोजन), और DINNER (रात्रि भोजन) देखा जाता है। जो एक बार या दो बार भोजन करते है वह भी मोटे हो जाते हैं और अनेक बीमारियों का शिकार हो जाते है क्योंकि ज्यादा खा लेते है। डायबिटीज की बीमारी में व्यक्ति अगर दवाईयां सेवन करता है तो 5 बार भोजन करना चाहिए। क्योंकि दवाईयों का असर 24 घंटा रहता है और 4 घंटों के बाद कुछ न कुछ न खायें तो शुगर की मात्रा कम होने लगती है, हाथ पांव काँपने लगते लगते है, अंधेरा दिखाई देता है, थकान का अनुभव होता है। इसलिए डायबिटीज की बीमारी में BREAKFAST सवेरे 8 से 9 बजे तक अवश्य करें। LUNCH दोपहर1-2 बजे तक होना चाहिए और DINNER भी रात्रि 8-9 बजे तक कर लें। BREAKFAST और LUNCH के बीच में सवेरे 11-12 बजे कुछ न कुछ फल 250 ग्राम स्वीकार करें तो अच्छा होगा। इसी प्रकार सायं. 5-6 बजे कुछ न कुछ अल्पाहार अवश्य करें जैसे भुने हुआ चने वा सोयाबीन, चना चाट अथवा कुछ फल वा DRY FRUIT आदि।

D संतुलित आहार का अर्थ यह भी है कि हमारा नाश्ता, नाश्ता की तरह हो, मध्यान्ह भोजन भी उसी प्रकार का हो और रात्रि भोजन भी आवश्यकता अनुसार हो। क्योंकि कई व्यक्ति सवेरे नाश्ता में केवल चाय, बिस्किट का सेवन करते है। दोपहर को भी बहुत कम भोजन जैसे की ब्रेड वा टोस्ट आदि और फिर रात्रि का भोजन बहुत कर लेते है। इससे शुगर की मात्रा कभी भी नियंत्रित नहीं रहेगी।

क्रमशः

यहां करें संपर्क बीके जगजीत मो. 9413464808 पेशेंट रिलेशन ऑफिसर, ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, माउंट आबू, जिला- सिरोही, राजस्थान

सार समाचार

मुख्यमंत्री विजय रुपाणी को दिया ईश्वरीय संदेश और सौगात

शिव आमंत्रण अटलादरा। अटलादरा वडोदरा सेवाकेंद्र की मुख्य संचालिका बीके अरुणा वडोदरा मैराथन में गुजरात के मुख्यमंत्री विजयभाई रुपाणी को ईश्वरीय सौगात देते हुए।

नई सोच नया विश्वास के साथ परिचर्चा

शिव आमंत्रण जबलपुर। नई सोच नया विश्वास विषय पर आयोजित परिचर्चा में शुभकामनायें प्रदान करते हुए जगदुरु राघव देवाचार्य, मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉक्टर आरएस शर्मा, गुड्स एवं सर्विस टेक्स विभाग के चीफ कमिश्नर प्रमोद कुमार अग्रवाल, महिला विंग की नेशनल को-आर्डिनेटर बीके डॉक्टर सविता बहन और बीके विमला।

युवाओं के लिए विशेष जागृति कार्यक्रम

शिव आमंत्रण राजगढ़। युवा के लिए विशेष जागृति कार्यक्रम रख सबको मेडिटेशन से होने वाले फायदे के बारे में बताया गया। जहां कई युवा बीके भाई-बहनें और अन्य के साथ बीके नम्रता, राजगढ़ जिला प्रभारी बीके मधु, कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोना सुस्तानी जी, भाजपा जिला अध्यक्ष दिलवर यादव, अधिवक्ता संघ चंद्रकांत त्रिपाठी, बीके लक्ष्मी आदि मौजूद रहे।

ओम शांति अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव

शिव आमंत्रण चरखी दादरी। ओम शांति अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित गीता ज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए एसडीएम डॉ. सुमिता तथा सेवा केंद्र संचालिका बीके प्रेमलता, बीके शकुंतला तथा अन्य।

शांतिवन में निकाली कैन्सर विरोधी भव्य रैली...

लोगों में फैल रहा है तेजी से कैंसर, कोई लक्षण-संशय आते ही करवायें जांचः डॉ. मेहता

समर्पित बीके भाई-बहनों का किया सम्मान, लोगों को दिया गया परमात्म संदेश

शिव आमंत्रण आबूरोड। विश्व कैंसर दिवस पर कैंसर की पहचान और उसके बचाव के तरीकों को लेकर ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मेडिकल प्रभाग द्वारा ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन से जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। इस अवसर पर मुम्बई के सुप्रसिद्ध कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक मेहता ने कहा, कि आज तेजी से कैंसर लोगों में फैल रहा है और यह किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता है। भारत में पुरुषों में मुख और गले में और महिलाओं में गर्भाशय का कैन्सर जादा होता है पुरूषों को कैन्सर तंबाखू, शराब, बिडी, सिगारेट से जुडा है। महिलाओ में स्तन और गर्भाशय का कैन्सर होता है, स्तन में गाठ महसूस होती है या जादा कमर दर्द होता है तो महिलाओं को डॉक्टर के पास जाकर जांच करना जरूरी है। इसके लिए प्रतिवर्ष चेकअप करायें।

शांतिवन में निकाली भव्य रैली का दृश्य।

प्रातः काल मेडिकल प्रभाग द्वारा आयोजित इस रैली में लोगों ने कैंसर से जागरुकता के लिए रेड रीबन लगा रखे थे। हाथों में पोस्टर और बैनर पर लिखे जागरुकता स्लोगन के जरिए लोगों में उत्साह लाने के लिए 'एक दो एक दो, बिडी-सिगारेट फेंक दो' जैसे नारे भी लगा रहे थे। तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट, धूम्रपान एवं शराब से बचने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। यह रैली ब्रह्माकुमारीज संस्था के डायमंड हॉल से प्रारम्भ होकर तलहटी होते हुए पुनः डायमंड हॉल में समाप्त हो गयी। रैली का उद्घाटन ब्रह्माकुमारीज संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, मेडिकल प्रभाग के सचिव डॉ. बनारसी लाल शाह, कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक मेहता, दिल्ली शक्तिनगर सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके च' धारी, शांतिवन के मुख्य अभियन्ता बीके भरत समेत कई लोगों द्वारा किया गया।

इसी के साथ ही शांतिवन के विशाल डायमण्ड हॉल में भी कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जहां हज़ारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में डॉ. मेहता को किया सम्मानित

विश्व कैंसर दिवस पर ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मेडिकल प्रभाग द्वारा आयोजित कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक मेहता को मेडिकल प्रभाग की ओर से उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वे मेडिकल प्रभाग के अध्यक्ष है और लंबे समय से इस दिशा में सेवा की है।

सम्मेलन

सादाबाद में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में की मूल्यों पर चर्चा

राजयोग से ईश्वरीय शक्तियों को प्रत्यक्ष कर स्वर्णिम भारत बनाने में पत्रकार निभा सकते हैं अहम योगदान

धधक रही दुनिया में अपनी लेखनी से शांति और सद्भाव फैलाने का प्रयास करें

शिव आमंत्रण सादाबाद। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सादाबाद में पत्रकार सम्मेलन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मंचासीन सभी अतिथियों का स्वागत फूल माला व बेज पहनाकर किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभु स्मृति का गीत ''जैसा सोचोगे वैसा बन पाओगे'' गीत गाकर के किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमारीज मीडिया प्रभाग जोनल कोऑर्डिनेटर बीके अमर गौतम ने कहा, कि मीडिया विंग राजयोग की शिक्षाओं में पाए गए आध्यात्मिक मूल्यों के ज्ञान के प्रसार के माध्यम से मानवता के उत्थान के लिए संस्था के समर्थन में काम करता है। दुनिया भर में संबंधित पत्रकारों का एक नेटवर्क सकारात्मक खबर को प्रेस में लाने के लिए प्रतिबद्ध है और सकारात्मक तरीके से समाज को प्रभावित करने की जिम्मेदारी उठा रहा है मीडियाकर्मी नकारात्मकता त्याग कर स्वः परिवर्तन से विश्व परिवर्तन का संकल्प लेकर जायेंगे। अशांति के दावानल में धधक रही दुनियां में अपनी लेखनी से शांति और सदभाव फैलाने का प्रयास करें।

पत्रकार सम्मेलन में भाग लेने वाले अतिथि एवं अन्य।

ना जाने कब किसी मनुष्य को क्रोध आ जाये और वो इन मिसाईलों का बटन दबा दे। जरूरत इस बात की है कि निरस्त्रीकरण के सिद्धांत को आत्मसात किया जाये। सच्चे स्वःधर्म को पहचानें और विकारों को त्यागते हुए अपने परिवारों को दुःखों से मुक्त करें।

स्थानीय प्रभारी बीके भावना ने कहा ,आध्यात्मिक रूप से सशक्त मीडिया व्यक्तिवाद, पूर्वाग्रह और पक्षपातपूर्ण पूर्वाग्रह से मुक्त है। यह दुनिया के सभी नागरिकों के सामंजस्य, कल्याण और एकजुटता को ध्यान में रखकर अपना कवरेज शुरू करता है। बेशक रचनात्मक आलोचना और ईमानदार आपत्ति मानवाधिकारों और कल्याण के लिए आवश्यक गार्ड हैं।

पलवल (हरियाणा) से आए हुए बीके राजेंद्र ने कहा कि मीडिया एक शक्तिशाली उपकरण है। फिर भी आज का मीडिया अंतरात्मा के बिना प्रतीत होता है। प्रेस की स्वतंत्रता 'के नाम पर आधुनिक मीडिया ने सूचनाओं के प्रभाव के लिए किसी भी जिम्मेदारी का बंटवारा कर दिया है , जो इसे अधिक प्रभावी बनाता है। बलदेव से आई ब्रह्माकुमारी सीमा ने राजयोग का अभ्यास कराया।

युवा- गरीबी, भेदभाव, असमानता, भ्रष्टाचार और भूख से मुक्त एक नया भारत बनाने का प्रयास करें

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा-

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू को ईश्वरीय सौगात देते हुए बीके कुलदीप ।

शिव आमंत्रण हैदराबाद। ब्रह्माकुमारीज़ के शान्ति सरोवर में कलाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ यूथ एक्सीलेन्स द्वारा कलाम्स कन्वेंशन 2020 कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमे खुद भारत के उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू तथा तेंलगाना सरकार की राज्यपाल डॉ. तमिलिसै सौंदरराजन बतौर मुख्य रुप से उपस्थित हुए।

इस अवसर पर भारत के उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने कहा, इन्सान अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति और क्षमता से अपने जीवन को आकार दे सकता है। उप राष्ट्रपति ने पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम को याद करते हुए कहा, की उन्होंने भारत को एक विकसित देश बनाने का सपना देखा था, उन्हें भारतीय युवाओं की क्षमता पर विश्वास था। इस सम्मलेन में उन्होंने जलवायु से जुड़े मुद्दों पर बात की और कहा, डिजिटल इंडिया और अटल मिशन जैसी सुविधाओं का इस्तेमाल करना चाहिए।

वेंकैया नायडू ने युवाओं से एक सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने और गरीबी, भेदभाव, असमानता, भ्रष्टाचार और भूख से मुक्त एक नया भारत बनाने का प्रयास करने का आह्वान किया। श्री नायडू ने कहा, कि जो लोग हिंसा भड़का रहे है वह जनविरोधी है। देश के विकास के लिए शांति सबसे बड़ी शर्त है। उन्होंने कहा, कि लोकतंत्र में हिंसा की कोई गुंजाइश नहीं है और कहा गया है कि मतदान बुलेट से अधिक शक्तिशाली है। उन्होने कहा, युवा देश के भविष्य है। उपराष्ट्रपति ने उनसे भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और सदियों पुराने सभ्यतागत मूल्यों की हमेशा रक्षा करने का आग्रह किया।

समस्याओं का चिंतन के बजाए, कारण ढूंढ करें निवारण

आरटीसी और आईटीबीपी के जवानों के लिए आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते बीके भगवान।

शिव आमंत्रण मदुराई। तमिलनाडु के मदुराई में आर.टी.सी तथा आई.टी.बी.पी. के जवानों के लिए कार्यशाला मे बीके भगवान ने कहा, समस्याओं का कारण ढूंढने की बजाए निवारण ढूंडे। समस्या का चिंतन करने से तनाव की उत्पत्ति होती है। समस्या होते हुए भी मन में हलचल न हो ऐसी अपनी अवस्था होनी चाहिए। जीवन को रोगमुक्त, दीर्घायु, शांत व सफल बनाने के लिए हमें सबसे पहले विचारों को सकारात्मक बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, सकारात्मक विचार से समस्या समाधान में बदल जाती है। एक दूसरों के प्रति सकारात्मक विचार रखने से आपसी भाई चारा बना रहता है। कार्यक्रम में कमांडेंट डी.जे. रोबर्ट, सहायक कमांडेंट संजीत सिंह, डिप्टी कमांडेंट मोहम्मद शमीम, सहायक कमांडेंट महेन्द्र सिंह तथा मनोहरलाल मिश्र, मृत्युन्जय धनरी एवं ब्रह्माकुमारीज़ के विश्व शांति भवन से बीके बल्ली, बीके शन्मुगन भी मुख्य रुप से मौजूद रहे। आगे बीके भगवान ने सभी जवानों को मानसिक तनाव से निजात पाने के लिए राजयोग का अभ्यास कराया।

अभियान गांधी जयंती पर निकाली गई यात्रा...

त्याग-तपस्या से विश्व को मिलेगी प्यार और करुणा की छाया

समर्पित बीके भाई-बहनों को सम्मानित कर लोगों को परमात्म संदेश दिया

अभियान यात्रियों के साथ बीके रजनी तथा अन्य बीके सदस्य।

शिव आमंत्रण नागपुर। महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राजधानी दिल्ली से स्विज़रलैंड तक जय जगत वैश्विक पदयात्रा निकाली गई है। 2 अक्टूबर 2019 में प्रारम्भ हुई इस यात्रा के महाराष्ट्र के नागपुर पहुंचने पर ब्रह्माकुमारीज़ के विश्व शांति सरोवर में यात्रियों का भव्य रुप से स्वागत किया गया। जय जगत एक अनोखी पहल है जो गहरी आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय संकट का जवाब देने के लिए प्रारम्भ की गई। इस अभियान के लोगों की अपील है कि मानव खुद को बदले और वन प्लेनेट वन पीपल का लक्ष्य प्राप्त करें। जय जगत के यात्रियों का दल जब ब्रह्माकुमारीज़ के विश्व शांति सरोवर पहुंचा, तो नागपुर सबज़ोन प्रभारी बीके रजनी ने उन सभी का स्वागत करते हुए उनसे स्नेह भरी मुलाकात भी की और ब्रह्माकुमारीज़ की सेवाओं के बारे में बताया। यात्रा ब्रह्माकुमारी संस्थान पहुंचते ही सभी ने शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उनका स्वागत करते हुए सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रजनी ने कहा, जय जगत यात्रा शांति के बीज बोने की यात्रा है। इस शांति के झाड की वृध्दि करने के लिए सभी पदयात्री अपने त्याग का पानी दे रहे हैं। यह शांति और न्याय से पोषित झाड विश्व को प्यार और करुणा की छाया प्रदान करेगा। इस अवसर पर एकता परिषद के राष्ट्रीय संयोजक अनीश थिलेनकेरी, जय जगत 2020 मुहीम की अन्तर्राष्ट्रीय संयोजिका जिल कारर-हैरिस, गांधीवादी कार्यकर्ता राजगोपाल पी.वी. की विशेष मौजूदगी में सभी यात्रियों को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया गया, वहीं सभी ने भवन का भी अवलोकन कर असीम शांति का अनुभव किया।

समस्या समाधान

[ब्र.कु. सूरज भाई]
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक

दु:ख देने वाली कमजोरियों को निकालने का सीखें तरीका...

शिव आमंत्रण अपने को आत्मा समझेगें और दुसरों को भी आत्मा देखने का अभ्यास करोगे तो तुम्हारी कमियां निकलती जाएगी। हमें सम्पूर्ण बनना है तो हमें अपनी कमियों को निकालना ही पड़ेगा। कौन कौन सी कमी को निकालना है? विकार जो सबसे बड़ी कमियाँ है। उन कमियों का बीज़ है क्रिमिनल आईज। बहुत बड़ी कमजोरी। कुछ ऐसी प्रैक्टिकल कमजोरियां है, जिनसे आत्मा बहुत कमजोर बनती है। कौन-कौन सी है वो कमजोरियां? वो है परचिंतन, ज्यादा बात करना आदि। जो ज्ञान रत्नों से अन्दर में खाली होते है वही बड़ी-बड़ी बाते करते है। व्यर्थ सोचने की आदत, दूसरों में कमी देखने की आदत, जरूरत से ज्यादा सोचने का संस्कार, छोटी-छोटी बातों मे परेशान होने की आदत, छोटी-छोटी बातों मे उदास रहना, अकेला रहना, बातों को बढ़ाने का संस्कार, अपनी कमजोरियों को बार बार याद करना, ये सब विकार ही हैं। बुद्धिमान और समझदार मनुष्य वो है जो अपनी कमजोरियों को जानता हो। जानना और जान कर उसको निकालना ये बुद्धिमान व्यक्ति की पहचान है। संगमयुग पर जिनका अपनी कमजोरियां निकालने का दृढ़ संकल्प है वो आगे बढ़ते रहते है। इस संगमयुगी संसार मे भी और बाहर भी ऐसे बहुत है, जिन्हें अपनी कमियों का ही पता नहीं है। उनकी अंगूली सदा रहती है दुसरों की ओर। जब हमारी दृष्टि दूसरों के अवगुणों पर जाती है तो क्या नुकसान होता है?

ध्यान दें धारणाओं तरफ

हमें केन्द्र बनाना है एक चीज को, जैसे चिंतन। अगर हमारा चिंतन अच्छा चलता है तो हम कमजोरियों को जीतते जा रहे हैं। अगर हमारा व्यर्थ बहुत है तो समझ ले कमजोरियाँ बढ़ती जा रही है। हमें इसे घटाना है, शिव बाबा ने बहुत गहरी गहरी धारणायें हमें सिखायी है- न्यारापन और प्यारापन, लव और लॉ का बैलेंस, प्रेम और अनासक्त वृत्ति, वस्तु को युज भी करें, निर्मोही भी रहे। ये सब आपस मे विपरित है लेकिन ये दोनो बाते जब जीवन मे आती है तब हमारा जीवन बहुत ही महान हो जाता है। हमारी कुछ बड़ी बड़ी धारणायें है जिन्हे हमें बहुत ही ध्यान देना है। जैसे कि साक्षी भाव, ड्रामा के ज्ञान का अच्छा चिंतन, सर्व आत्माओं से आत्मिक प्रेम, सब के लिए ढ़ेर सारी शुभभावनाएं, सबके लिए अच्छा चिंतन, संतुष्ट रहना आदि। याद करो शिव बाबा से हमें क्या-क्या मिला है। बहुत कुछ मिला है। संतुष्ट रहना, सदा खुश रहना, सदा ईश्वरीय नशे में रहना, स्वमानधारी होना, ये हमारी बड़ी बडी धारणायें है। तो हमें दोनो चीजों पर ध्यान देना है।

अपनी कमियों को भी निकालते चलें, साथ में ये जो बड़ी धारणाएं है इन पर बहुत अटेन्शन दे, कि वों हमारी जीवन मे आ रही है। तो कमियों को पहले निकालना है। दूसरों का अवगुण देखना, निंदा करना, परचिंतन मे रहना, बाते इधर की उधर पहुंचाना, व्यर्थ बातों का विस्तार करना इन्हे छोड़ते जाये। तो बातों को फैलाने का एक उदाहरण देता हूं - लोग कहते है माताओं मे समाने की शक्ति नहीं होती। मै कहता हूं बहुत है। शिव बाबा कहते थे, अपने बच्चो ने अगर कोई गलती कर दी हो तो माता, पति को भी नहीं बतायेगी इतना समा लेती है। मगर पड़ोसी की लड़की ने गलती की हो तो उसको फैलाना परम कर्तव्य मानती है। तो समाने की शक्ति है, लेकिन यह कहां यूज करना, कहां नहीं करना ये नहीं जानती है। तो हम ध्यान दे हमारा परचिंतन बहुत चलता है तो हमें नुकसान कहां होता है? एक तो स्वचिंतन नहीं होगा। बिना मतलब सोच-सोच के परेशान रहेंगे। जन्म जन्म परचिंतन ही किया है अब समय है स्वचिंतन करने का। अब अपने को बदलना है। शिव बाबा का बहुत ही सुन्दर महावाक्य है, 'विजयमाला उनके ही गले मे पड़ती है जो स्वपरिवर्तन करते है'। किसी को आदत होती है ये अच्छा नहीं कर रहे है, ये भी अच्छा नहीं कर रहे है तो हम भी न करें। दूसरों को देख कर अपना भी मिस कर देना इससे हम बाहर निकल जाए।

क्रमश:...

स्व प्रबंधन

[बीके ऊषा]

स्व प्रबंधन विशेषज्ञ, माउंट आबू

परमात्मा को आप याद करते या परमात्मा आपको याद करता है

पिछले अंक से क्रमशः

शिव आमंत्रण ''इस संसार में भगवान को याद करने वाली अनेक आत्मायें है परन्तु भाग्यशाली वह आत्मा है जिसको भगवान याद करे और चुनकर अपना मददगार बनाये। इस सम्बन्ध में नारद की कहानी है। एक बार नारद घूमते-घूमते भगवान के पास पहुँच गये भगवान के हाथ में एक डायरी देखी। नारद ने भगवान से पूछा कि 'प्रभू, क्या देख रहे हो ?'भगवान ने कहा 'यह मेरी खास डायरी है।'बड़ी जिज्ञासावश नारद ने पूछा, 'भगवान इसमें ऐसा क्या लिखा है?' भगवान ने कहा,'इसमें कुछ नाम लिखे है।'नारद ने पूछा,'प्रभू, किसके नाम लिखे हैं? भगवान ने कहा 'इसमें उनके नाम लिखे हैं जो भक्त मुझे बहुत याद करते हैं।' नारद बड़े खुश हुए और कहा कि 'भगवान, मेरा नाम तो सबसे पहले होगा क्योंकि मेरे जितना तो कोई आपको याद नहीं करता है।' भगवान मुस्कुराए और कहा 'हाँ, तेरा नाम सबसे पहला है। तेरे जितना तो कोई मुझे याद नहीं करता।' फिर नारद बोले 'प्रभू, क्या मैं आपकी डायरी देख सकता हूँ?भगवान ने कहा 'जरूर देख लो'।

डायरी में नाम लिखवाने प्रभु को याद नहीं करता

अपना नाम पहले नम्बर पर देखकर नारद को बहुत खुशी हुई। डायरी में आगे देखने लगे कि इसमें हनुमान का नाम कहाँ लिखा है? सारी डायरी में हनुमान का नाम ही नहीं था। अब नारद का काम था हनुमान में ईर्ष्या की आग जलाना। डायरी भगवान को दी और हनुमान को ढूँढने निकले तो देखा कि हनुमान एक वृक्ष के नीचे बैठ भगवान का नाम ले रहे थे। नारद ने वहां जाकर कहा, 'ये ढोंग बन्द करो।' हनुमान ने कहा-'क्यों?' नारद ने कहा 'अभी मैं भगवान के पास होकर आया हूं उनके पास एक डायरी थी जिसमें भगवान ने उनके नाम लिखे थे जो भक्त उनको बहुत याद करते हैं और सारी डायरी में आपका नाम ही नहीं था।' अब हनुमान कोई जलने वालो में से तो नहीं थे। उन्होंने कहा 'मैं डायरी में अपना नाम लिखवाने के लिए थोड़े ही याद करता हूं। मै तो प्रभू के दिल में रहता हूं।' नारद क्या बोलते ? फिर वहाँ से चले, घूमते-घूमते फिर भगवान के पास पहुंच गये।

जिन्हें प्रभु याद करे वह सबसे भाग्यशाली

इस बार नारद ने देखा कि भगवान एक छोटी सी डायरी देख रहे थे। नारद ने देखा यह डायरी तो अलग है तो उन्होंने भगवान से पूछा, 'प्रभू,आज क्या देख रहे हो?' भगवान ने कहा 'यह मेरी पर्सनल डायरी है।'नारद ने पूछा,'प्रभू इस पर्सनल डायरी में क्या लिखा है?' तो भगवान ने मुस्कुरा कर कहा कि 'इसमें भी कुछ नाम हैं।'
नारद को बड़ी जिज्ञासा हुई। 'इसमें किसके नाम लिखे हैं भगवन?' भगवान ने कहा,'इसमें उनके नाम लिखे हैं जिनको मैं याद करता हूँ।' नारद ने सोचा मुझे देखना चाहिए कि भगवान ने इस डायरी में किसके नाम लिखे हैं? नारद ने भगवान से पूछा कि 'प्रभू,मैं यह डायरी देख सकता हूँ?' भगवान ने मुस्कुरा कर कहा 'जरूर, देख लो'और डायरी नारद को दे दी। नारद ने देखा कि हनुमान का नाम सबसे पहला था और नारद का नाम कहीं नहीं था।

भावार्थः भगवान को याद करने वाले इस दुनिया में बहुत हैं परन्तु भगवान जिसको याद करें, वह महान भाग्यशाली होते हैं। इस तरह समय का पहिया अनुकूल परिवर्तन करने की प्रेरणा दे रहा है। अब किस ओर जाना है, यह हमारा चुनाव रहेगा और जो सही चुनाव करता वह परमात्मा के आशीर्वाद के पात्र बन जाता है। समय के चक्र के रहस्य को समझते हुए अपने जीवन में भाग्य को श्रेष्ठ बनाने का पुरुषार्थ करना है।''

क्रमशः...

बीजेपी ने नया पार्टी अध्यक्ष चुना...

ईश्वरीय ज्ञान चर्चा कर, अध्यक्ष बनने की दी बधाई

बीजेपी अध्यक्ष नड्डा को बधाई देकर माउंट आबू ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय आने का दिया निमंत्रण

शिव आमंत्रण नई दिल्ली। माननीय श्री जे. पी. नड्डा को भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रुप में नियुक्त होने पर ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युजंय उनको बधाई एवं शुभकामनाएं देने उनके निवास स्थान पहुंचे। जहां उन्हें ईश्वरीय संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर मुख्यालय से मौजूद वरिष्ठ राजयोग शिक्षक बीके प्रकाश, शिक्षा प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका बीके शिविका भी मौजूद रही।

जे. पी. नड्डा को बधाई देते हुए बीके मृत्युंजय, बीके शिविका और बीके प्रकाश।

संकट के समय में परमात्म शक्ति से होती है विजयः सुनंदा

अतिथियों के साथ बीके सुनंदा एवम् बीके सुमंगला एवम् हजारों की संख्या में उपस्थित श्रोतागण।

शिव आमंत्रण बीदर। ब्रह्माकुमारीज़ में कर्नाटक के बीदर स्थित शिव शक्ति भवन सेवाकेंद्र द्वारा श्रेष्ठ समाज निर्माण में नारी की भूमिका विषय पर शहर के एम.एस. पाटिल फंक्शन हॉल में बीदर के सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों की महिला कर्मचारियों के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हज़ारों की संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम को सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुनंदा एवं ग्लोबल पीस विलेज की प्रभारी तथा मुख्य वक्ता बीके सुमंगला ने संबोधित करते हुए कहा, अब ऐसा समय आ चुका है कि हर देश एक दूसरे पर चढ़ाई करने, युद्ध करने पर तुला है। कब कौन सा देश किस देश पर हमला कर दे, इसकी कोई गारंटी नहीं है। मानव का जीवन अनिश्चितताओं से भरा हुआ है। आज मानव असुरक्षितता महसूस कर रहा है। इसलिए यह स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि नजदीकी समय में महा परिवर्तन जरूर होगा और इस महा परिवर्तन की वेला में वही आत्माएं सुरक्षित रहेगी जो परमात्मा के साथ निश्चय बुद्धि होकर परमात्मा से प्रीत लगाएंगी और उनकी ही विजय निश्चित है। विनाश काले विपरीत बुद्धि विनश्यति प्रीत बुद्धि विजयंती। इसीलिए पुण्य कर्म कर परमात्मा को राजी कर लेना इसमें ही हम सबकी भलाई है।

बीदर की क्षेत्रिय संचालिका बीके सुमंगला ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा भ्रष्टाचार मुक्त समाज बनाने के लिए हमें आध्यात्मिकता का सहारा लेना अति आवश्यक है। ब्रह्माकुमारी विद्यालय पिछले 84 साल से समाज सेवा में अविरत योगदान दे रहा हैं। हम सबको मिलकर सत्य परमात्मा की राह पर चलकर समाज को उन्नत बनाने के लिए परमात्मा की शिक्षाओं को धारण कर स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन के कार्य को संपन्न बनाना है, यही ब्रह्माकुमारीज का लक्ष्य है।

इस अवसर पर अतिथियों में बैंगलोर के वीमेन कोऑपरेशन बैंक फेडरेशन की प्रेसिडेंट शकुन्तला बेल्दाले, र।पूजा फाउंडेशन की प्रेसिडेंट जयदेवी, बिजनेस वीमेन कविता पाटिल, एयरफोर्स स्कूल की प्रिंसिपल इंदुमती सुतार समेत कई प्रतिष्ठित महिलाए मौजूद रही।

दिव्यांग होते हैं अधिक बुद्धिमान, उन्हें मार्गदर्शन की आवश्यकता

सभा को संबोधित करती बीके दुर्गेश नंदिनी।

शिव आमंत्रण भुवनेश्वर। विश्व ब्रेल दिवस के अवसर पर ओड़िशा सरकार के सामाजिक सुरक्षा और विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां ब्रेल लिपि पर ओड़िया भाषा में व्यक्तित्व विकास पर एक पुस्तक लांच किया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक सुरक्षा और विकलांग व्यक्ति (एसएसईपीडी) विभाग के कमिश्नर कम सेक्रेटरी भास्कर ज्योति शर्मा, यूनिट-8 सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके दुर्गेश नन्दिनी, ब्रह्माकुमारीज़ के दिव्यांग सेवा के राष्ट्रीय संयोजक बीके सुर्यमणि की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में लुईस ब्रेल ब्लाइंड स्कूल के छात्र एवं स्टाफ सदस्यों की मुख्य उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम का पहली नेत्रहीन ओ.ए.एस. अधिकारी सन्यासी बेहरा ने संचालन किया। इस अवसर पर मौजूद बीके सूर्यमणी ने लुई ब्रेल के जीवन इतिहास और इस दिन के महत्व से सभी को अवगत कराया। आगे बीके दुर्गेश नन्दिनी ने मन की शक्ति के बारे में अपने विचार साझा किए।

इसी क्रम में सह-सचिव भास्कर ज्योति शर्मा ने दृष्टिबाधित छात्रों के लिए शिक्षा के प्रभाव पर जोर दिया।

इस दौरान छात्रों को आयुक्त-सह-सचिव द्वारा ओडिया व्यक्तित्व विकास ब्रेल पुस्तक वितरित की गई साथ ही ब्रेल लिपी में ही सभी को ब्लेसिंग कार्ड वितरित किए गए।

राजकोट में गीता महोत्सव आयोजित, बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालु

व्यक्तिगत, सामाजिक, राष्ट्रीय, वैश्विक सभी समस्याओं का समाधान है गीता: बीके ऊषा

गुजरात के राजकोट में आयोजित गीताज्ञान महोत्सव को संबोधित करतीं गीता विशेषज्ञ बीके ऊषा और उपस्थित श्रद्धालु।

'जीवन का आधार गीता का सार' विषय पर गीताज्ञान महोत्सव का आयोजन

शिव आमंत्रण राजकोट। गुजरात के राजकोट में गीता ज्ञान महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम था 'जीवन का आधार गीता का सार'। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके उषा ने कहा, गीता से हम व्यक्तिगत, सामाजिक, राष्ट्रीय, वैश्विक समस्याओं का समाधान कर सकते है। उन्होंने लोगों की वर्तमान मानसिक स्थिति के संबंध में महाभारत की अलग भूमिका पेश की। यह भी कहा, कि आज की शकुनि की भूमिका मोबाइल द्वारा निभाई जाती है, जो आंतरिक दुनिया के विनाश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है जो व्यक्ति के विचारों और भावनाओं को प्रभावित करती है। हर सत्र का समापन ओम ध्वनी और ध्यान द्वारा किया गया। हर रोज सुबह राजयोग ध्यान सत्र रखा जाता था। इस कार्यक्रम में मीडिया, फैशन, चिकित्सा, कानून, शासन और वाणिज्य के क्षेत्रों से लगभग 1000 विशिष्ट अतिथियों और निपुण पेशेवरों की भागीदारी थी। साथ ही 7500 से अधिक लोगों ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। ग्राउंड में व्यसन मुक्ति, प्लास्टिक से मुक्ति, साहित्य, ध्यान कक्ष के स्टाल लगाये गये थे। कार्यक्रम में आये लोगों ने अनुभव साझा किये।

परमात्मा के साकार रथ ब्रह्माबाबा का मनाया लौकिक जन्मदिन

शिव आमंत्रण इंदौर। प्रजापिता ब्रह्मा बाबा (दादा लेखराज) का जन्म 15 दिसम्बर 1876 को हैदराबाद सिंध में हुआ था। इसके लिए संस्था के अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन (माउंट आबू) सहित विश्व के 140 देशों में हजारों कार्यक्रम आयोजित कर 'हम सब एक पिता परमात्मा' की संतान है का संदेश दिया गया। इंदौर जोन की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी आरती दीदी ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि ब्रह्मा बाबा एक ऐसे महापुरुष हुए जो परमात्मा शिव की शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण करके मां के जैसा सभी आत्माओं को प्यार देकर सत्य ज्ञान को सरल बनाया ।

धार्मिक प्रभाग के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य ब्रह्माकुमार नारायण भाई ने बताया कि आज के ही दिन एक ऐसे शिल्पकार विश्व शांति के महानायक आध्यात्मिक प्रणेता जिन्होंने अनगढ़ पत्थरों को तलाश कर चमकदार हीरा बना दिया। यह आध्यात्मिक 'शांति रूपी पौधा आज विशाल वटवृक्ष बन कर अपनी शीतल छांव में विश्व के 143 देशों के लाखों नागरिकों को शांति ,शक्ति, पवित्रता, प्रेम ,ज्ञान और जीवन मूल्यों से सुशोभित कर रहा है। ब्रह्मा कुमारी सुनीता ने बताया कि प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का जीवन सादगी ईमानदारी की प्रतिमूर्ति थे।

ब्रह्मा बाबा के लौकिक जन्मदिन पर केक काटती हुई बीके बहनें।

उद्घाटन

नए भवन के उद्घाटन पर श्रीमद्भागवत गीता कथा का आयोजन

'प्रभु चिंतन' से मिलेगी सकारात्मक चिंतन की राह

भागवत गीता समारोह में भाग लेते भाई-बहन एवं नवनिर्मित राजयोग प्रभु चिंतन भवन का दृश्य।

शिव आमंत्रण ग्वालियर। प्रभु चिंतन भवन (फूटमंडी, उपाध्याय कॉलोनी मोती झील ग्वालियर मध्यप्रदेश) का भव्य उद्धाटन राजयोगिनी ब्रहाकुमारी अवधेश बहनजी (भोपाल जोन ईन्चार्ज) दतिया से बीके दीपा बहन, पोरसा से बीके कृष्णा बहन, डी डी नगर से बीके मनजारी बहन, मालनपुर से बीके जुली बहन तथा अन्य भाई बहनों के द्वारा विधिवत सुन्दर ढंग से सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में आनन्द नगर उपसेवा केन्द्र प्रभारी बीके राधा बहन ने इस प्रोग्राम को सुन्दर बनाने हेतु 1 जनवरी से 8 जनवरी 2020 तक दतिया से बीके दीपा दीदी के द्वारा 7 दिविसीय श्री मद्भगवद् कथा का आध्यात्मिक रहस्य और पोरसा से बीके कृष्णा दीदी तथा उनके साथियों के माध्यम से अनेकानेक कृष्णा लीला, सांस्कृतिक प्रोग्राम सुन्दर ढंग से सम्पन्न हुआ और अनेकानेक भाई बहनों ने ईश्वरीय सन्देश पाकर लाभान्वित हुए।

नई राहें

मन के कलुषित विचारों का दहन और प्रभु के रंग से जीवन बनेगा 'सतरंग'

बीके पुष्पेन्द्र हमारा सारा जीवन मन और विचारों की परिधि के इर्द-गिर्द ही घूमता है। हम जितना अपने विचारों पर काम करेंगे, उन्हें जानेंगे, समझेंगे और शोध करेंगे तो उनमें उतनी ही स्पष्टता, पारदर्शिता और एकता का जन्म होगा। विचारों और मन की प्रकृति होती है कि उसे जिस दिशा में मोड़ा जाए तो एक समय बाद वह खुद व खुद नदी की धारा की तरह अपनी दिशा तय कर लेते हैं। इसके लिए सतत् अभ्यास, वैचारिक साधना और पल-पल सावधानी जरूरी है। मन की प्रकृति है भागना, लेकिन जब उसे महान लक्ष्य दे दिया जाता है तो फिर तमाम विषमताओं के बावजूद वह उस लक्ष्य को पाने की दिशा में आतुर रहता है। ऐसे में अल्पकालिक परिस्थितियां नगण्य हो जाती हैं।

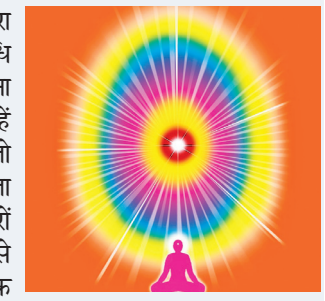

इस होलिका में कुछ नया करते हैं... दहन करना ही है तो अपवित्रता का दहन कर जीवन को पवित्र बनाएं। क्रोध का दहन कर आत्माओं पर शीतल जल बरसाएं। लोभ का दहन कर धन सद्कार्यों में लगाएं, मोह का दहन कर प्रभु प्रेम का रंग लगाएं और दहन करना ही है तो झूठे दंभ, अभिमान और अहंकार को सदा-सदा के लिए तिलांजलि देकर स्वाहा कर दें और आत्माभिमान का सतरंग लगाएं। आत्मा में सतरंग की ज्योत जगाकर प्रभु प्रेम का रंग लगाना ही जीवन को गुलजार बनाना है।

ऐसे निखरेंगे आत्मा के सतरंग....

ज्ञानः आज हमें पल-पल की सूचना है। सारे विश्व का ज्ञान है, क्या उस शक्ति के बारे में भी संपूर्ण ज्ञान है जो इस शरीर का संचालन करती है। जो सृष्टि का संचालन करती है। सत्य ज्ञान जीवन को संवारकर नई दिशा देता है। ज्ञान से आत्मा में बल भरता है और वह शक्तिशाली बनती है। हमारा प्रयास हो कि हर पल ज्ञानबल बढ़ाते रहें। घर में ऐसा माहौल हो कि धर्म संगत चर्चा, विमर्श और वार्तालाप हो। ताकि नव पीढ़ी में मूल्यों का सृजन स्वाभाविक रूप से हो सके।

सुखः मनुष्य के सभी क्रिया-कलाप, भागमभाग के पीछे एक ही चाह होती है कि जीवन सुखी हो। पर हम साधनों को पाने की लालसा में मन का सुख-चैन तो नहीं गंवा बैठे हैं, इसकी समीक्षा करना बहुत जरूरी है। सुख आत्मा का स्वाभाविक गुण है। इसे जानने, समझने और अनुभव करने की आवश्यकता है। जब दूसरों को सुख देंगे तो हमें भी सुख मिलेगा। किसी को विचारों के स्तर पर भी दुख न मिले।

शांतिः शांति आत्मा का स्वधर्म है। जब विचार श्रेष्ठ, सकारात्मक होंगे तो उनकी प्रकृति नवनिर्माण के साथ शांति की भी होगी। शांति की खोज में सारी दुनिया है जो हमारे अंदर है। जरूरत है तो अनुभव करने की।

प्रेमः सर्वगुणों का सार है प्रेम। हर इंसान प्रेम चाहता है। इस होलिका पर संकल्प लें कि अपने संपर्क में आने वाले सभी साथियों, पारिवारिक सदस्यों के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे। अपने मन में प्रेम की ज्योत जलाएंगे। खुद से प्रेम करेंगे और खुदा से भी प्रेम करेंगे।

पवित्रताः मन-वचन-कर्म, वाणी, समय, संकल्प की पवित्रता ही संपूर्ण पवित्रता का आधार है। दुनिया में जिसका भी मान है वह पवित्रता के ही कारण है। जब मन के कलुषित विचार योग अग्नि में दग्ध हो जाते हैं तो फिर आत्मा का ये गुण निखरता है।

शक्तिः शक्ति, सामर्थ्य से ही कोई कार्य संभव है। जब आत्मा ज्ञान, सुख-शांति, प्रेम, पवित्रता से भर जाती है तो वह शक्तिवान बन जाती है। उसमें बल भर जाता है जो दूसरों को भी लाभांवित करती है। फिर जो कर्म होते हैं तो वह नवनिर्माण और नवसृजन को जन्म देते हैं।

आनंदः उपरोक्त सभी गुणों से भरपूर आत्मा आनंद से भर जाती है। आनंद आत्मा की सर्वोच्च अवस्था है। सृष्टि के प्रारंभिक काल में जीवन के चारों पहर में आनंद ही आनंद था। इसके साथ जब आत्मा अपना संबंध परमात्मा से जोड़ लेती है तो जीवन में परमानंद आ जाता है।

प्रभु प्रेम का रंग सबसे ऊपर...

इन सबसे ऊपर जब आत्मा अपने सात स्वाभाविक मूल गुणों को पहचानकर, उनका अनुभव कर प्रभु प्रेम के रंग में रंगती है तो जीवन सतरंग बन जाता है। सत अर्थात् सद्गुरु परमात्मा। रंग अर्थात् रंगना, मिलना, खो जाना, डूब जाना, समान हो जाना। जब आत्मा एक सद्गुरु परमपिता परमेश्वर परमात्मा के रंग में रंगकर डूब जाती है तो ये रंग उसे निखारकर कुंदन बना देता है। रंग लगाना ही है तो प्रभु का रंग लगाएं और जीवन को सतरंग बनाएं।

सार सामाचार

नागा सुरक्षा विभाग कर्मचारियों को राजयोग की विधि बताई

बीके शांति और बीके शकुंतला के साथ नागा सुरक्षा कर्मचारी, अन्य।

शिव आमंत्रण नागा सिटी। फिलीपींस के नागा सिटी में ब्रह्माकुमारिज केंद्र में आयोजित एसएम नागा सुरक्षा विभाग (ज्यादातर सुरक्षा गार्ड और मेडिक्स) के कर्मचारियों के लिए एक संयुक्त राजयोग साधना कार्यक्रम आयोजित किया गया। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके शांति ने एसएम नागा एचआर, सुरक्षा विभाग के कर्मचारियों, हेल्प लर्निंग सेंटर के कर्मचारियों और नुएवा सेर्सेज़ विश्वविद्यालय के छात्रों को मूल्यों और सकारात्मकता के बारे में अवगत कराया। मौके पर बीके शकुंतला भी उपस्थित थीं।

बीके सुधा को रशिया में मिला सार्वजनिक मान्यता पुरस्कार

सार्वजनिक मान्यता पुरस्कार प्राप्त बीके सुधा के साथ अन्य अतिथि।

शिव आमंत्रण मॉस्को। रशिया के मॉस्को में मामा चैरिटी फाउण्डेशन की ओर से सार्वजनिक मान्यता पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन गैर सरकारी संगठनों के चैम्बर हॉल में किया गया। कई प्रतिष्ठित हस्तियों समेत समारोह में ब्रह्माकुमारीज़ को भी आमंत्रित किया था। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध गायक रेनाट इब्रागिमोव, मिसेस् ग्लोब 2019 सेनिया क्रिव्को, मॉस्को में ब्रह्माकुमारीज़ की डायरेक्टर जनरल बीके सुधा को सार्वजनिक मान्यता पुरस्कार से नवाज़ा गया, जिसे मामा चैरिटी फाउण्डेशन के अध्यक्ष रईस अत्नागुलोव ने प्रस्तुत किया ।

देनपसार में मनाया विश्व हिंदी दिवस

दीप प्रज्वलन करती बीके जानकी, मनोहर पूरी एवं प्रकाश चंद।

शिव आमंत्रण देनपसार। बाली के देनपसार स्थित भारत के स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र में विश्व हिंदी दिवस के मौके पर में गीत प्रतियोगिताएं, हिंदी डिक्टेशन प्रतियोगिता एवम् सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया जिनका सभी ने आनंद लिया। उत्सव में 100 से अधिक समर्थकों और प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ में ब्रह्माकुमारीज़ से इंडोनेशिया की नेशनल कोर्डिनेटर बीके जानकी, स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र के डायरेक्टर मनोहर पूरी और बाली में भारत के काउंसिल जनरल प्रकाश चंद ने दीप प्रज्ज्वलन से की। कार्यक्रम में बडी संख्या में युवा एवम् बच्चे थे।

'हर कदम है महत्वपूर्ण' विषय पर रशिया के सेंट पीटर्सबर्ग में कार्यक्रम आयोजित

परमात्म शक्ति से साकार होगी नयी दुनिया की परिकल्पना : बीके संतोष

सेंट पीटर्सबर्ग में ब्रह्माकुमारीज़ की निदेशिका बीके संतोष ने बताए सुखमय जीवन के सूत्र

सेंट पीटर्सबर्ग में ब्रह्माकुमारीज़ के लाइट हाउस रिट्रीट सेंटर में कार्यक्रम आयोजित।

शिव आमंत्रण सेंट पीटर्सबर्ग। राशिया के सेंट पीटर्सबर्ग में ब्रह्माकुमारीज़ के लाइट हाउस रिट्रीट सेंटर में विशेष वीमेन लीडर्स के लिए कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में महिला नेताओं, विविध व्यवसायों के प्रमुख, राजनेताओं, शिक्षाविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं समेत लगभग 50 संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर महिला गठबंधन की चेयरपर्सन ऐलेना कालिनिनाय, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ चैरिटेबल फाउंडेशन श्मामाश् के अध्यक्ष रईस अत्नागुलोवय सेंट पीटर्सबर्ग की सरकार के तहत एक्सेसिबल एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट के निदेशक माट्वे लुकिन ने सभा को संबोधित किया।

सेंट पीटर्सबर्ग में ब्रह्माकुमारीज़ की निदेशिका बीके संतोष ने कामना की कि सभी महिलाएं, माताएँ, बहनें अपने जीवन और कर्मों में और भी ऊँचाई तक पहुँच सकती है और चिंताओं को मिटा सकती है। कुछ चीजें जो हमे चिंता देती हैं वह हमारे नियंत्रण में हैं। हम उन्हें बदल सकते हैं। तो हम अपने जीवन में नकारात्मक सोच पर जीत प्राप्त करके नए साल का जश्न मनाएं। रशिया में ब्रह्माकुमारीज़ के क्षेत्रीय समन्वयक बीके विजय ने भी 'एवरी स्टेप टुवर्डस् स्पिरिच्युअलिटी इज इम्पोर्टेन्ट' विषय के तहत अपने विचार रखते हुए कहा, हमें याद रहे कि हम सभी एक ही सर्वोच्च पिता के बच्चे हैं। हम जिस सद्भाव और शांति की दुनिया की आकांक्षा रखते हैं वह परमपिता के आधार से एक वास्तविकता बन सकती है।

सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट सोशल एंड इकोनॉमिक इन्स्टीट्यूट के रेक्टर, विमेन अलायंस की चेयरपर्सन श्रीमती एलेना कालिनाना ने मेहमानों का स्वागत करते हुए, रूस में महिलाओं के आध्यात्मिक सशक्तिकरण में ब्रह्माकुमारियों द्वारा दिए गए योगदान की सराहना की। उन्होने याद दिलाया, कि नए साल में द्वितीय विश्व युद्ध को 75 वर्ष पूरे हो रहे है। रूस उस विनाशकारी युद्ध में लगभग 30 मिलियन जवान एवम् लोगों को गंवा बैठा है। श्रीमती ऐलेना कलिनिना ने कहा, दुनिया में हमारे पास सबसे अच्छी चीज रिश्ते हैं। लेकिन सभ्यता की परत आज बहुत पतली और कमजोर लगती है। हमें अतीत से सबक सीखना चाहिए और अपने भविष्य को खुशहाल बनाना चाहिए। यह ब्रह्माकुमारियों और हमारे बीच गठबंधन का साझा मिशन है।

इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ चैरिटेबल फाउंडेशन्स (मामा) के चेयरपर्सन रईस अत्नागुलोव ने अपने निस्वार्थ बिना शर्त प्यार देने के दृष्टिकोण के लिए पूरी दुनिया की माताओं की सराहना की।

मेडिटेशन के प्रयोग से जो चाहते हैं वह कर सकते हैं

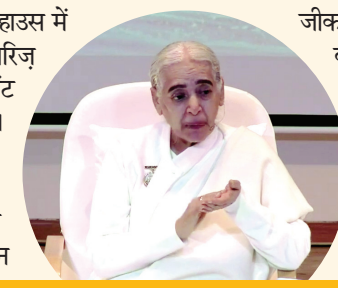

शिव आमंत्रण लेस्टर। लेस्टर के हारमनी हाउस में मिडिल ईस्ट एवं यूरोपियन कन्ट्रीज़ में ब्रह्माकुमारिज़ की निदेशिका बीके जयंती ने 'सफिंग द टर्बुलेंट टाइड' विषय के तहत सभा को संबोधित किया। इस सेशन का बीके सदस्यों समेत बड़ी संख्या में शहर के स्थानीय लोगों ने लाभ लिया। विषय के तहत संबोधन में बीके जयंति ने कहा, हम अपना जीवन उसी विशिष्ट तरीके से जीवन जीकर प्रतिक्रिया दे रहे है। उसके कारण जो होना चाहिए वह तरीके से नही हो रहा है। कारण है पिछला कर्म। हमें कुछ दुनिया से अलग करना है तो हम कर सकते है। पर उसके लिए हमें खुद का सच्चा परिचय लेना जरूरी है। इसके पश्चात क्वेश्चन आंसर सेशन में बीके जयंती ने सभा द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए साथ ही अंत में राजयोग मेडिटेशन का गहन अभ्यास भी कराया।

गणतंत्र दिवस ह्यूस्टन में फहराया तिरंगा, देशभक्ति गीतों की दी प्रस्तुति

आध्यात्म से ही दुनिया में आएगी खुशहाली

ह्यूस्टन में आयोजित गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में मौजूद असीम महाजन और बीके भाई-बहनें।

शिव आमंत्रण ह्यूस्टन, टेक्सास। टेक्सास के ह्यूस्टन में कौंसुलर कार्यालय में भारत का 71वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। इसमे इंडिया के काउंसिल जनरल के पद पर नियुक्त असीम महाजन, फोर्ट बेंड काउंटी जज केपी जॉर्ज, ह्यूस्टन के डेप्युटी काउंसिल जनरल, कम्युनिटी लीडर्स समेत अन्य कई गणमान्य लोगों की मौजूदगी रही। इस कार्यक्रम का आयोजन आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक स्तर पर अमरिका-भारत संबंधों को मजबूत करने के लिए किया गया। मौके पर ब्रह्माकुमारीज़ की टेक्सास एरिया कॉर्डिनेटर बीके डॉ. हंसा रावल भी विशेष तौर पर शामिल रही। उन्होंने कहा कि आध्यात्म से ही दुनिया में खुशहाली आएगी।

Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2018-20, Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2018
Posted at Shantivan P.O. Dt. 18 to 20 of Each Month
प्रकाशक एवं मुद्रकः ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डी.बी. सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित ● सलाहकार संपादकः प्रो. कमल दीक्षित ● संपादकः ब्र.कु. कोमल ● संयुक्त संपादकः ब्र.कु. पुष्पेन्द्र ● RNI No.: RJHIN/2013/53539